सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिमेदार बताया पेज: 7

हक देखने के बाद आलिया भट्ट बनीं यामी गौतम की फैन पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 277 | शुक्रवार 16 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मोहन भागवत दो दिवसीय छत्रपति संभाजीनगर दौरे के दौरान हिंदु सम्मेलन में शामिल होंगे

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 16 जनवरी से मध्य महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान हिंदू सम्मेलन सहित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। संगठन की प्रचार शाखा विश्व संवाद केंद्र द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विश्व संवाद केंद्र के मुताबिक भागवत शुक्रवार (16 जनवरी) को छत्रपति संभाजी नगर के एमआईटी कॉलेज में आयोजित होने वाले ह्युयुवा सम्मेलन में हिस्सा लेंगे जो युवाओं पर केंद्रित होगा। विज्ञप्ति के मुताबिक युवा सम्मेलन में संस्कृति, राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। उसी दिन शाम पांच बजे भागवत गंगापुर में आयोजित हिंदू सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बना स्टार्टअप हब, फाउंडर्स ने गिनाई उपलब्धियां

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है। स्टार्टअप फाउंडर्स का कहना है कि पीएम मोदी ने न केवल स्टार्टअप्स को समर्थन दिया, बल्कि जेएएम ट्रिनिटी (जन धन, आधार और मोबाइल) और यूपीआई जैसे मजबूत पब्लिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के जरिए व्यापार को आसान और सुलभ बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। स्टार्टअप्स को वैश्विक पहचान मिली हेल्थकेयर स्टार्टअप 1एमजी के सीईओ प्रशांत टंडन ने कहा कि मौजूदा समय में भारत में वे सभी सुविधाएं मौजूद हैं, जिनकी एक उद्यमी को जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्टार्टअप्स को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर पहचान मिली, जिससे भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल हो

सका। पूरे देश में बदली स्टार्टअप्स की सोच प्रशांत टंडन ने कहा कि आज केवल कारोबारी ही नहीं, बल्कि कॉरपोरेट्स, सरकारें और आम नागरिक भी स्टार्टअप्स को समझ रहे हैं और उनका महत्व स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरे स्टार्टअप इकोसिस्टम को न केवल सपोर्ट किया, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाई है। जेएएम ट्रिनिटी और यूपीआई बने मजबूत आधार टंडन के अनुसार, भारत के स्टार्टअप सफर में जेएएम ट्रिनिटी (जन धन, आधार और मोबाइल) और यूपीआई जैसे पब्लिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन पहलों से उद्यमिता को बढ़ावा मिला और कारोबारियों को ऐसे समाधान विकसित करने का अवसर मिला, जिनकी देश को वास्तविक जरूरत थी। आठ वर्षों में 110 यूनिकॉर्न अर्बन कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ अभिराज सिंह बहल ने कहा कि जब उन्होंने अर्बन कंपनी की शुरूआत की थी, तब देश में केवल एक-दो यूनिकॉर्न थे। पिछले आठ वर्षों में स्टार्टअप इकोसिस्टम में बड़ा बदलाव आया है और अब 110 यूनिकॉर्न के साथ हजारों स्टार्टअप्स विभिन्न सेक्टर्स में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने इस परिवर्तन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। पीएम मोदी का विजन बना प्रेरणा प्रिस्टिन केयर के सह-संस्थापक हरसिमरबीर सिंह ने कहा कि 2015 में न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। इस भाषण से प्रेरित होकर उन्होंने भारत लौटने और यहां स्टार्टअप शुरू करने का फैसला किया। समस्या समाधान की सोच, स्टार्टअप सीईओ जैसी नेतृत्व शैली हरसिमरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी में एक स्टार्टअप सीईओ जैसी सभी खूबियां हैं। जब वे किसी समस्या को देखते हैं, तो उसके समाधान पर तुरंत काम शुरू कर देते हैं। सेमीकंडक्टर सेक्टर इसका बड़ा उदाहरण है। वैश्विक संकट के समय भारत ने इस क्षेत्र में कदम रखा और स्टार्टअप इकोसिस्टम में 20-30 अरब डॉलर का निवेश हुआ। स्टार्टअप इंडिया मिशन बना मील का पत्थर रेज कॉफी के संस्थापक भरत सेठी ने कहा कि वर्ष 2016 में विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्टार्टअप इंडिया मिशन का उद्घाटन एक ऐतिहासिक क्षण था। उन्होंने कहा कि उस समय बहुत कम लोग समझ पाए थे कि यह पहल भविष्य में कितना बड़ा बदलाव लाएगी। स्टार्टअप इंडिया से मिली नई उड़ान भरत सेठी के अनुसार, भारत की मौजूदा स्टार्टअप ग्रोथ की नींव स्टार्टअप इंडिया मिशन पर टिकी है। इस पहल ने न केवल उद्यमियों को आत्मविश्वास दिया, बल्कि देश को परिवर्तन के नए दौर में प्रवेश कराने में भी अहम भूमिका निभाई।

स्टार्टअप इकोसिस्टम में 20-30 अरब डॉलर का निवेश हुआ

हरसिमरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी में एक स्टार्टअप सीईओ जैसी सभी खूबियां हैं। जब वे किसी समस्या को देखते हैं, तो उसके समाधान पर तुरंत काम शुरू कर देते हैं। सेमीकंडक्टर सेक्टर इसका बड़ा उदाहरण है। वैश्विक संकट के समय भारत ने इस क्षेत्र में कदम रखा और स्टार्टअप इकोसिस्टम में 20-30 अरब डॉलर का निवेश हुआ।

काशी की विरासत पर बुलडोजर कार्रवाई? मणिकर्णिका घाट पर सौंदर्यीकरण को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को वाराणसी के प्रसिद्ध श्मशान घाट, मणिकर्णिका घाट के प्रस्तावित रूपांतरण पर सवाल उठाते हुए इसे बेस्वाद सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण का प्रयास बताया, जो सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नष्ट कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर कई मंदिरों, छोटे-बड़े तीर्थस्थलों को ध्वस्त किया जा रहा है। मल्लिकार्जुन खर्गे ने पूछा कि लाखों लोग हर साल अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में मोक्ष की तलाश में काशी आते हैं। क्या आपका इरादा इन श्रद्धालुओं के साथ विश्वासघात करने का है? खरगे ने कथित तौर पर ध्वस्त की गई मूर्तियों और बुलडोजरों की तस्वीरें और

वीडियो पर साझा किए। खरगे ने एक्स पर लिखा कि बेस्वाद सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर आपने बनारस के मणिकर्णिका घाट पर बुलडोजर चलाकर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नष्ट कर दिया है। आप चाहते हैं कि ऐतिहासिक विरासत का हर टुकड़ा मिटा दिया जाए और उस पर सिर्फ आपकी नामपट्टिका चिपका दी जाए। मणिकर्णिका घाट के जीर्णोद्धार और पुनर्विकास की योजना की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 7 जुलाई, 2023 को आधारशिला रखने के साथ हुई थी। इस परियोजना की कुल जीर्णोद्धार लागत लगभग 17.56 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। नए मणिकर्णिका घाट की छत पर विशेष अतिथियों के लिए बैठने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा, रैंप, दर्शन क्षेत्र, बैठने की व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मणिकर्णिका घाट पर एक लकड़ी का प्लाजा भी बनाया जाएगा, जहां शोक संतप्त लोग अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी खरीद सकेंगे।

खरगे ने कहा कि गुप्त काल में स्थापित और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर द्वारा पुनर्निर्मित इस दुर्लभ धरोहर को ध्वस्त करना एक अपराध है। उन्होंने पूछा कि क्या इसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी के व्यापारिक मित्रों" को लाभ पहुंचाने का इरादा है? कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा कि आपने पानी, जंगल, पहाड़ - सब कुछ उन्हें सौंप दिया; अब सांस्कृतिक धरोहर की बारी है।

सेना प्रमुख का बड़ा ऐलान: 'भारत में किए गए' हथियारों से आत्मनिर्भर है भारतीय सेना, हर चुनौती को तैयार

नई दिल्ली एजेंसी: सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सेना की सोच में स्पष्ट बदलाव आया है और वह न केवल वर्तमान चुनौतियों का सामना कर रही है, बल्कि भविष्य में युद्ध के विभिन्न स्वरूपों के लिए भी सुनियोजित तैयारी कर रही है। इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, सेना ने नई संरचनाएं बनाई हैं, जिन्हें विकसित और जटिल परिचालन परिवेशों में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए तैयार, सुसज्जित और प्रशिक्षित किया जा रहा है। 78वें सेना दिवस परेड के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि इस परिवर्तन के अंतर्गत, भैरव बटालियन, अश्विनी प्लाटून, शक्तिबान रेजिमेंट और

दिव्यास्त्र बैटरी जैसी इकाइयां गठित की गई हैं। ये भविष्य की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप चुस्त, उत्तरदायी और मिशन-उन्मुख बलों के निर्माण के हमारे प्रयासों को दशार्ती हैं। इस यात्रा के केंद्र में आत्मनिर्भरता है, जो परेड के दौरान प्रदर्शित 'मेड इन इंडिया' उपकरणों से स्पष्ट रूप से दिखाई दी। भारत में निर्मित और विकसित हथियार प्रणालियों और उपकरणों की आवश्यकता पर जोर देते हुए, सेना प्रमुख ने कहा कि स्वदेशीकरण एक रणनीतिक आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि इससे हमें परिचालन लचीलापन दीर्घकालिक विश्व सनीयता और अपनी तैयारियों में अधिक आत्मविश्वास मिलता है। हम दोहरे उपयोग वाले संसाधनों पर भी जोर दे रहे हैं: ऐसी क्षमताएं जो सैन्य और नागरिक दोनों उद्देश्यों की पूर्ति कर सकें। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए विकसित अवसंरचना, प्रौद्योगिकी और नवाचार को राष्ट्रीय विकास में भी योगदान देना चाहिए। भारतीय सेना सशक्त सैनिकों आधुनिक सहायक प्रणालियों और कई क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमता के साथ भविष्य के लिए तैयार बल के रूप में निरंतर विकसित हो रही है भारतीय सेना सशक्त सैनिकों, आधुनिक सहायक प्रणालियों और कई क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमता के साथ भविष्य के लिए तैयार बल के रूप में निरंतर विकसित हो रही है। प्रौद्योगिकी का उपयोग निर्णय लेने और स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जा रहा हैजबकि सैनिक को संचालन के केंद्र में मजबूती से रखा जा रहा है।

जवानों के साहस को सलाम, देश उनकी निस्वार्थ सेवा का सदा ऋणी रहेगा : एस जयशंकर

नई दिल्ली एजेंसी: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को सलाम किया। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा आज सेना दिवस पर हमारे सैनिकों के साहस और दृढ़ संकल्प को सलाम। राष्ट्र उनके निस्वार्थ सेवा के लिए उनके और उनके परिवारों के प्रति सदा कृतज्ञ रहेगा। भारत में हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है, यह दिवस लेफ्टिनेंट जनरल कोडंडेरा एम. कारियाप्पा (जो बाद में फील्ड मार्शल बने) द्वारा 15 जनवरी 1949 को भारत के अंतिम ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल फ्रांसिस रॉय बुचर से भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण करने की स्मृति में मनाया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए इस दिन को उन सैनिकों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि बताया, जो

दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा करते हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने पत्र में लिखा कि मैं 2026 के सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को हार्दिक बधाई देती हूँ। सेना दिवस हमारे उन सैनिकों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को याद करने का दिन है जो राष्ट्र की सेवा में अडिग हैं। भारतीय सेना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार है। इसने सीमाओं की रक्षा करने और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जीवन बचाने में व्यावसायिकता, प्रतिबद्धता और वीरता की उच्चतम परंपराओं को निरंतर कायम रखा है। मैं ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के वीरतापूर्ण प्रदर्शन और उत्कृष्ट सफलता की सराहना करती हूँ। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय सेना राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान जारी रखेगी और आर्थिक प्रगति एवं समावेशी विकास को सुगम बनाएगी। मैं अपने सैनिकों को सलाम करता हूं और भारतीय सेना के प्रति राष्ट्र की अटूट कृतज्ञता को दोहराता हूं तथा सभी रैंकों के जवानों को उनके नेक कर्तव्य में निरंतर सफलता, शक्ति और गौरव की कामना करता हूं।

बदलाव लाने में जनभागीदारी महत्वपूर्ण है: उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली एजेंसी: जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि बदलाव लाने के लिए जनभागीदारी महत्वपूर्ण है और इसकी शुरूआत नागरिकों के मतदान के लिए बाहर निकलने से होती है। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, बदलाव केवल वही लोग ला सकते हैं जो इसमें भाग लेने के लिए तैयार हों। भाग लेने का मतलब यह नहीं है कि मैं उम्मीदवार के रूप में खड़ा हो जाऊं। भाग लेने का मतलब यह भी होता है कि मैं कम से कम बाहर आकर अपने वोट का इस्तेमाल करूं। अब्दुल्ला मुंबई के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (आईआईसीटी) में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आये थे। अब्दुल्ला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान आवश्यक है। अब्दुल्ला ने कहा कि चाहे जम्मू-कश्मीर हो, महाराष्ट्र हो या मुंबई, लोगों की अपनी-अपनी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि जब नतीजे आएंगे तो वोट ही भविष्य का फैसला करेंगे। उन्होंने कहा, इस बार महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल भी कुछ अजीब था। न दोस्त थे, न दुश्मन। दोस्त दुश्मन बन गए और दुश्मन दोस्त। और अजीबो-गरीब रिश्ते बन गए। अब्दुल्ला ने कहा, कहीं कांग्रेस और भाजपा ने हाथ मिलाया। कहीं भाजपा और एआईएमएम ने हाथ मिलाया। कहीं एक ही पार्टी के दो हिस्से फिर से एक साथ आ गए। इन सबका नतीजों पर क्या असर होगा? मैं भी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) और अन्य 28 महानगरपालिकाओंके लिए चुनाव हो रहा है।

पश्चिम बंगाल में पुलिस बनी ममता का औजार? बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कोलकाता स्थित राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पीएसी के कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान कथित हस्तक्षेप को लेकर आलोचना की है। नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता रवि शंकर प्रसाद ने मुख्यमंत्री के आई-पीएसी कार्यालय जाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह न तो टीएमसी का कार्यालय है और न ही किसी पार्टी नेता का निवास स्थान। प्रसाद ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर कल पुलिस की मौजूदगी में हमला किया गया। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के प्रयासों के बावजूद कोई मामला दर्ज नहीं किया गया और इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। भाजपा नेता ने यह भी आरोप

लगाया कि पश्चिम बंगाल की पूरी पुलिस व्यवस्था मुख्यमंत्री के हाथों का औजार बन गई है, और कहा कि राज्य में कानून प्रवर्तन प्रणाली का दुरुपयोग असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पश्चिम बंगाल सरकार, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी शामिल हैं, ने आई-पीएसी कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की जांच और तलाशी अभियान में हस्तक्षेप किया। सुनवाई से पहले, ईडी ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार को निलंबित करने की मांग की है, जिसमें दावा किया गया है कि उन्होंने और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने जैन के आवास पर तलाशी में बाधा डाली। इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार ने एक आपत्ति दर्ज कराई है, जिसमें अनुरोध किया गया है कि राजनीतिक सलाहकार कार्यालय पर एजेंसी की छापेमारी के संबंध में उसकी सुनवाई के बिना कोई आदेश पारित न किया जाए।

मुंबई में थमा मतदान, बीजेपी-महायुति और ठाकरे बंधुओं के बीच सत्ता का महासंग्राम

महाराष्ट्र एजेंसी: में महत्वपूर्ण बीएमसी चुनावों के साथ-साथ महाराष्ट्र भर के 28 अन्य नगर निगमों के चुनावों के लिए मतदान संपन्न हो गया है। मुंबई में हुए महत्वपूर्ण बीएमसी चुनावों में यह आरोप लगने से विवाद खड़ा हो गया कि मतदाताओं की उंगलियों पर लगी स्याही को एसीटोन से आसानी से मिटाया जा सकता है। यह दावा इंटरनेट पर खूब वायरल हुआ और कई विपक्षी नेताओं ने भाजपा सरकार पर हमला बोला। इस बीच, चुनाव आयोग ने एक बयान जारी कर इस आशंका को खारिज कर दिया कि कोई मतदाता दो बार वोट डाल सकता है और घटना की जांच के आदेश भी दिए। देश के सबसे अमीर महानगरपालिका के 227 पार्षदों को चुनने के लिए सुबह 7:30 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू हुआ जो शाम 5:30 बजे समाप्त हुआ। बीएमसी पार्षद चुने जाने के लिए करीब 1,700 उम्मीदवार मैदान में हैं। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक अपराह्न 1.30 बजे तक पूर्वी उपनगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 114 में सबसे अधिक 41.08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो मुंबई के कुछ हिस्सों में मजबूत मतदाता भागीदारी को दशार्ता है। दक्षिण मुंबई के वार्ड नंबर 227 में शुरूआती छह

घंटों में सबसे कम 11.24 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। महाराष्ट्र में 29 नगर निकायों के चुनाव के लिए बृहस्पतिवार सुबह मतदान शुरू हुआ और सबकी नजर मुंबई पर टिकी हैं, जहां आर्थिक रूप से समृद्ध बीएमसी पर शासन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति और ठाकरे बंधुओं के गठबंधन के बीच दिलचस्प मुकाबला है। निकाय चुनाव में मतदान करने वाले प्रमुख नेताओं में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक शामिल हैं। अक्षय कुमार, आमिर खान, गुलजार, सलीम खान, परेश रावल, हेमा मालिनी, जॉन अब्राहम, सोनाली बेंद्रे, ईशा कोप्पिकर, तमन्ना भाटिया, दिव्या दत्ता और गायक कैलाश खेर जैसी फिल्मी हस्तियों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर, उनकी पत्नी अंजली, बेटी सारा और

मुंबई और महाराष्ट्र के 28 अन्य नगर निगमों में मतदान संपन्न हो गया है, लेकिन यह प्रक्रिया चुनावी स्याही के आसानी से मिटने के आरोपों के कारण विवादों में घिर गई है। विपक्षी नेताओं, विशेषकर उद्धव ठाकरे ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जबकि चुनाव आयोग ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर ने भी अपने-अपने वार्ड में मतदान किया। मुंबई में दोपहर 3:30 बजे तक 41.08% मतदान दर्ज किया गया। चल रहे बीएमसी चुनावों में सलमान खान, जाह्नवी कपूर, सौम्या टंडन और अन्य सहित कई बॉलीवुड हस्तियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करते देखा गया। कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां शुरूआती मतदान करने वालों में शामिल थीं। महाराष्ट्र के मंत्री गणेश नाइक और उनके परिवार ने बोनकोड मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला, जबकि पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्र ने उच्च आय वाले मतदाताओं की शिकायत करने के बावजूद वोट न डालने की आलोचना की। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आनंद दुबे और अनिल परब ने भी मुंबई में मतदान किया और मतदान केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं को लेकर चिंता जताई। दुबे ने चुनाव आयोग की वेबसाइट में खामियों और डिजिटल मतपत्रों के प्रदर्शन में अनियमितताओं की ओर इशारा किया, जबकि परब ने दावा किया

संपादकीय

पाकिस्तान युद्ध के संकेत!

जम्मू-कश्मीर में राजौरी, पुंछ और सांबा के इलाकों में, सीमापार से, 8-10 ड्रोन उड़ते देखे गए। सेना तुरंत हरकत में आई और एंटी ड्रोन सिस्टम सक्रिय किया गया, उतनी ही देर में वे गायब हो गए। सीमा पर भारत की सेना ह्यहाई अलर्टह्ण की स्थिति में है। हमारे थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आगाह किया है कि ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण अब भी जारी है। पाकिस्तान इसके मायने बखूबी जानता है। जनरल द्विवेदी ने यह भी खुलासा किया कि नियंत्रण-रेखा पर 6 और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2 आतंकी अड्डे सक्रिय देखे गए हैं। उनमें आतंकी गतिविधियां भी देखी गई हैं। यदि पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो इस बार उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि सेना प्रमुख ने चेतावनी दी है। जनरल ने यह भी बताया कि बीती मई में ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण के दौरान पाकिस्तान के 100 से अधिक फौजी भी मारे गए थे। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 9 लड़ाकू विमान गिराए, 11 एयरबेस तबाह किए और 2 अवॉक्स सिस्टम बर्बाद किए थे। पाकिस्तान का कुल 2.85 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान कर्जदार देश है। क्या एक और युद्ध बर्दाश्त कर सकेगा? हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए गए और 9 आतंकी अड्डों को ह्यमिट्टी-मलबाह्ण कर दिया था। पाकिस्तान को यह विध्वंस आज भी याद होगा। परमाणु हमले की बातें पाकिस्तान के नेता ही करते हैं, जो पूरी तरह ह्यब्लफह्ण है। सिर्फ सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने ही चेतावनी का बयान नहीं दिया है, बल्कि सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने भी बीते दिनों युद्ध की आशंका जताई थी। उन्हें पाकिस्तानी फौज की अंदरूनी हलचलों के कुछ ह्यलीडह्ण मिले होंगे, जिनके आधार पर उन्होंने आशंका जताई थी कि पाकिस्तान की तरफ से युद्ध जैसा दुस्साहस किया जा सकता है। बहरहाल हमारी सेनाएं मुस्तैद और सक्रिय हैं, बेशक युद्ध की कैसी भी संभावनाएं बनें। 2025 में कुल 31 आतंकी ढेर किए गए, जिनमें अधिकतर पाकिस्तानी थे। कश्मीर में आज भी ह्यजयचंदह्ण सक्रिय हैं, लिहाजा उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ऐसे कुल 85 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया है, जिनके आतंकियों के साथ तार जुड़े थे और यह साबित भी हुआ है। देश का दुर्भाग्य और बुनियादी विडंबना रही है कि कुछ तत्त्व ऐसे सामने आते रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तान नाम की खुजली होती रही है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु?ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

ट्रंप के दौर में अमेरिका का लोकतंत्र खतरे में?

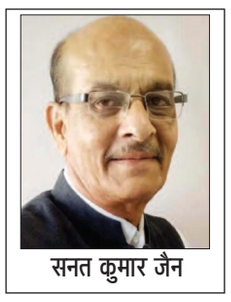

सनत कुमार जैन

यूरोपीय देशों में निराशा, बेरोजगारी और महंगाई...

अमेरिका लंबे समय से स्वयं को दुनिया के सबसे मजबूत आर्थिक एवं लोकतांत्रिक देश के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद से उनकी छवि पर गंभीर सवाल सारी दुनिया में खड़े हो गए हैं। ट्रंप ने न सिर्फ अमेरिका की वरन अंतरराष्ट्रीय संस्थागत मयार्दाओं को चुनौती देने का काम किया है। अमेरिका की चुनावी प्रक्रिया, न्यायपालिका, मीडिया और लोकतांत्रिक परंपराओं, वैश्विक व्यापार संधि और वैश्विक संस्थाओं पर सीधा हमला किया है । 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद अब वह एक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं। 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुआ हमला इस बात का प्रमाण है। ट्रंप की सत्ता की लालसा उन्हें किस हद तक ले जाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। उक्त घटना केवल अमेरिका की आंतरिक समस्या नहीं थी। वैश्विक लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी यह एक चेतावनी थी। ट्रंप की राजनीति ने अमेरिकी समाज को गहरे अंधेरे में धकेल दिया है। नस्ल, धर्म, प्रवासियों और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उग्र बयानबाजी ने ट्रंप और अमेरिका की असहिष्णुता को बढ़ावा दिया है। अमेरिका फर्स्ट की नीति ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और व्यापार को लेकर अमेरिका को सारी दुनिया में कमजोर करने का काम किया है। बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर अमेरिका की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो गई है। जब दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश ही लोकतांत्रिक मूल्यों को मानने से इंकार करे, तो उसका असर स्वाभाविक रूप से दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ता है।

अब इसका प्रभाव यूरोप में भी नजर आने लगा है। कई यूरोपीय देशों में दक्षिणपंथी और राष्ट्रवादी ताकतें मजबूत होना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोकतंत्र और मानव अधिकार को लेकर भरोसा कमजोर हो रहा है। युवा पीढ़ी भविष्य को लेकर गहरी निराशा में है। बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं को असुरक्षा की भावना से भर दिया है। कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट ने यूरोप की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। इस कारण जीवन-यापन की मुश्किलें बढ़ती चली जा रही हैं। रोजगार के अवसर भी बड़ी तेजी के साथ कम होते जा रहे हैं। यूरोप के युवा सवाल पूछ रहे हैं, क्या लोकतांत्रिक सरकारें उनकी समस्याओं का समाधान कर पाएंगी? आज विश्व के 60 से ज्यादा देशों में अपनी ही सरकार के खिलाफ लोग उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकारें महंगाई रोकने, स्थायी रोजगार देने और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में असफल साबित हो रही हैं। ऐसी स्थिति में कट्टरपंथी विचार धाराओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। यही स्थिति अमेरिका में भी देखी जा रही है। आर्थिक असुरक्षा और असंतोष को ट्रंप राजनीतिक ताकत से दबाने की कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में आवश्यकता है, अमेरिका और यूरोप जैसे देश अपने लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करें। आम जनता के प्रति पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाएं। आम लोगों की तथा युवाओं की आर्थिक चिंताओं को प्राथमिकता देकर उनका निराकरण करें।

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है। नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा और भविष्य की उम्मीद की व्यवस्था लोकतांत्रिक शासन प्रणाली है। यदि यह भरोसा टूटता है, तो खतरे में सिर्फ अमेरिका नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। 1995 में आर्थिक व्यापार संधि के बाद वैश्विक स्तर पर दुनिया के सारे देश एक दूसरे के बहुत करीब आए थे। पूरी सोच बदल गई थी। पिछले दो दशक में दुनिया के सभी देशों में कर्ज को लेकर आर्थिक जरूरतें पूरी करने की जो मुहिम चल रही थी वह अब कर्ज के बोझ से बुरी तरह से दब चुकी है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी का खतरा बड़ी तेजी के साथ फैलता हुआ नजर आ रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से अमेरिका फर्स्ट और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उपेक्षा करते हुए मनमानी कर रहे हैं, सारी दुनिया के देशों को टैरिफ के भय तथा अमेरिका की ताकत के आगे झुकाने का प्रयास कर रहे हैं। इसका खामीयाजा अमेरिका को भुगतना पड़ सकता है। यही गलती एक समय पर सोवियत रूस ने की थी। वही गलती अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करते हुए दिख रहे हैं।

शब्द, संवेदना और संस्कृति का संगमः दिल्ली पुस्तक मेला-2026

सुनील कुमार महला

स्वामी विवेकानंद जी ने यह बात कही है कि- पुस्तकें वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार को दूर करती हैं।वास्तव में सच तो यह है कि पुस्तकें मनुष्य की सबसे सच्ची मित्र होती हैं, जो बिना कुछ कहे हमें जीवन का सही मार्ग दिखाती हैं। अच्छी किताबें ज्ञान का भंडार होती हैं और अज्ञान के अंधकार को दूर कर सोचने-समझने की शक्ति विकसित करती हैं। वे अनुभवों, विचारों और संस्कारों से हमें समृद्ध बनाती हैं तथा जीवन भर हमारा साथ निभाती हैं। सच ही कहा गया है कि पढ़ने की आदत मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारती है और उसे बेहतर इंसान बनाती है। वहीं पर पुस्तक मेला ज्ञान, विचारों और संस्कृति के आदान-प्रदान का जीवंत मंच होता है, जहां पाठकों को नई-पुरानी पुस्तकों, लेखकों और प्रकाशकों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलता है। यह पठन-पाठन की रुचि को बढ़ावा देकर समाज में बौद्धिक चेतना को मजबूत करता है। साथ ही, पुस्तक मेला साहित्य, शिक्षा और रचनात्मकता को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाता है। इस क्रम में,हाल ही में नई दिल्ली के भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में आयोजित दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2026 (53वां संस्करण) दुनिया के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में से एक है। यह भव्य आयोजन 10 जनवरी 2026 से 18 जनवरी 2026 तक, कुल 9 दिनों के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस विशाल साहित्यिक उत्सव का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के सहयोग से किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर का 53वां संस्करण भी शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट की ओर से ही आयोजित किया गया है।पाठकों को बताना चाहूंगा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 10 जनवरी 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर 2026 का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने पुस्तक 'द सागा ऑफ कुडोपालीः 1857 की अनकही कहानी' का विमोचन किया, जिसे हिंदी सहित कई भारतीय भाषाओं और स्पेनिश भाषा में प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक ओडिशा के संबलपुर क्षेत्र में वीर सुरेंद्र साई के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक विद्रोह और शहीदों के बलिदान को सम्मानित करती है। इस वर्ष का पुस्तक मेला कई मायनों में विशेष है, क्योंकि पहली बार प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। मेले में 30 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक और लगभग 3000 स्टॉल शामिल हैं, जहाँ हिंदी, अंग्रेजी सहित अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं की पुस्तकों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। इस बार मेले की मुख्य थीम -'भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और बुद्धिमत्ता @75' (इंडियन मिलिट्री हिस्ट्रीःवेलोर एंड विज्डम) रखी गई है, जिसके अंतर्गत भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, इतिहास और योगदान को साहित्य और प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। थीम मंडप लगभग 1000 वर्ग मीटर में फैला एक अत्याधुनिक इमर्सिव (त्रि-आयामी) अनुभव प्रदान करता है, जहाँ भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के 75 वर्षों के गौरवशाली इतिहास को जीवंत रूप में दर्शाया गया है। यहाँ अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस के आदमकद मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जो मेले के प्रमुख आकर्षण हैं। साथ ही, देश के 21 परमवीर चक्र विजेताओं को विशेष श्रद्धांजलि भी दी गई है।इस पुस्तक मेले में 600 से अधिक साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, लेखक संवाद, कवि सम्मेलन तथा बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिससे यह मेला लेखकों, प्रकाशकों और पाठकों के लिए एक भव्य साहित्यिक उत्सव बन गया है। आज के डिजिटल, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में जब पुस्तकों के प्रति रुचि कम होती जा रही है, ऐसे समय में यह मेला विशेष रूप से युवाओं (जेन-जेड) और बच्चों में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।मेले में कला और संस्कृति, इतिहास, सिनेमा, व्यक्तित्व और जीवनियाँ, भूमि और लोग, गांधीवादी साहित्य तथा बाल साहित्य जैसे विविध विषयों पर पुस्तकें उपलब्ध हैं। प्रीमियम पुस्तकों की श्रेणी में 'राष्ट्रपति भवन श्रृंखला', राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के चयनित भाषण, महात्मा गांधी की रचनाएँ तथा पंडित मदन मोहन मालवीय की रचनाएँ विशेष रूप से शामिल हैं। पुस्तकों के समृद्ध संग्रह के साथ-साथ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रकाशन विभाग भी मेले में अपनी प्रसिद्ध पत्रिकाएँ योजना, कुरुक्षेत्र, आजकल और बाल भारती प्रदर्शित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, आगंतुक यहाँ से रोजगार समाचार की वार्षिक सदस्यता भी खरीद सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला एक अत्यंत लोकप्रिय और प्रतिष्ठित आयोजन है, जिसमें देश-विदेश के नामचीन प्रकाशक भाग लेते हैं। यहाँ पुस्तक विमोचन, लेखक से मिलने के कार्यक्रम, युवाओं और बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनका आगंतुक भरपूर आनंद लेते हैं। कालजयी कृतियों से लेकर समकालीन लेखन, बाल साहित्य, अनुवाद और विचारोत्तेजक चचाओं तक, यह मेला प्रकाशकों, लेखकों और पाठकों को एक जीवंत मंच पर एकत्र करता है।वास्तव में, पुस्तकें ज्ञान की वाहक होती हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। इसी कारण किसी भी पुस्तक मेले का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत व्यापक होता है। पिछले कई वर्षों से दिल्ली में आयोजित यह पुस्तक मेला विश्वभर के प्रकाशकों के लिए एक प्रतिष्ठित और विश्वसनीय मंच बन चुका है। जानकारी के अनुसार, इस बार मेले में करीब 20 लाख से अधिक पाठकों के आने की उम्मीद है। इस मेले का प्रमुख उद्देश्य ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करना है, ताकि निःशुल्क प्रवेश के माध्यम से आर्थिक स्थिति किसी के पठन और शिक्षा के मार्ग में बाधा न बने। साथ ही, डिजिटल और पारंपरिक पठन के संगम को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के माध्यम से डिजिटल रीडिंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मेले में लगाए गए डिजिटल कियोस्क से पाठक 6000 से अधिक निःशुल्क ई-बुक्स क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड कर सकते हैं।इस वर्ष कतर को 'अतिथि देश' (गेस्ट आफ आनर) बनाया गया है, जिसका पवेलियन कतर की पारंपरिक वास्तुकला पर आधारित है, जबकि स्पेन को 'फोकस कंट्री' के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जहाँ स्पेनिश साहित्य और नवाचार पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा, 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष प्रदर्शनियाँ भी लगाई गई हैं। वहीं पीएम-युवा 3.0 योजना के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं के युवा लेखकों को मेंटरशिप और अपनी पुस्तकों के प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है। अंत में यही कहूंगा कि दिल्ली पुस्तक मेला 2026 साहित्य, संस्कृति और पठन-परंपरा के क्षेत्र में एक सफल, प्रेरक और ऐतिहासिक आयोजन के रूप में उभरा है। भारत मंडपम में आयोजित किए जा रहे इस पुस्तक मेले में देश-विदेश के प्रकाशकों, लेखकों और पाठकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिल रही है। निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था ने सभी वर्गों के लोगों को पुस्तकों से जोड़ने का अवसर दिया है, जिससे पाठक संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, दिल्ली पुस्तक मेला 2026 न केवल पुस्तक उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है, बल्कि समाज और युवाओं में पठन संस्कृति को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सावरमती से आसमान तक पतंगों की बोली में भारत-जर्मनी की दोस्ती की नई ऊँचाई

साबरमती रिवरफ्रंट से जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने एक साथ पतंग उड़ाई, तो वह दृश्य केवल उत्तरायण के उल्लास का प्रतीक नहीं था, बल्कि भारत-जर्मनी संबंधों की उस उड़ान का संकेत भी था, जो संस्कृति से लेकर रणनीति और व्यापार से लेकर तकनीक तक नए आयाम छू रही है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव आईकेएफ-2026 का शुभारंभ एक ऐसे मंच पर हुआ, जहाँ रंगीन पतंगों के साथ-साथ कूटनीति, आर्थिक सहयोग और रक्षा साझेदारी के संदेश भी हवा में घुले हुए थे। अहमदाबाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पोल-हवेलियों की स्थापत्य झलक, पतंग संग्रहालय, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियाँ इन सबने मिलकर यह बता दिया कि भारत अपनी सांस्कृतिक शक्ति के साथ वैश्विक मित्रताओं को कैसे सशक्त करता है।

उत्तरायण गुजरात की आत्मा से जुड़ा पर्व है। यह केवल पतंगबाजी नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, लोककला, संगीत और परंपरा का संगम है। जब इसी मंच पर जर्मनी के राष्ट्राध्यक्ष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, तो यह संदेश स्पष्ट था कि भारत अपने मित्र देशों को केवल औपचारिक बैठकों में नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक धड़कन में भी आमंत्रित करता है। पोल और हवेली की प्रतिकृतियाँ, कारीगरों द्वारा पतंग निर्माण का जीवंत प्रदर्शन, गरबा रास, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम और मलखंब जैसी कलाओं की प्रस्तुतियाँ तथा भारतीय और जर्मन धुनों का समन्वय यह सब भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावशाली प्रदर्शन था। ऐसी सांस्कृतिक कूटनीति रिश्तों को केवल समझौतों तक सीमित नहीं रहने देती, बल्कि उनमें भावनात्मक मजबूती भी जोड़ती है।

इसी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बीच भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण अध्याय भी सामने आया। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को नई ऊँचाई देने वाली प्रोजेक्ट-75 की पनडुब्बी परियोजना इस साझेदारी का प्रतीक बनकर उभरी है। जर्मनी की प्रसिद्ध रक्षा कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स और भारत के मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड के बीच पहले से हुए समझौते के तहत छह अत्याधुनिक स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियों का निर्माण भारत में ही किया जाना प्रस्तावित है। लगभग 8 बिलियन डॉलर, यानी करीब 72 हजार करोड़ रुपये की यह डील भारतीय नौसेना के इतिहास की सबसे बड़ी परियोजनाओं में गिनी जा रही है। इन पनडुब्बियों की खासियत एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक है, जो उन्हें लंबे समय तक बिना सतह पर आए समुद्र के भीतर ऑपरेशन करने में सक्षम बनाएगी। कम शोर, अधिक स्टील्थ और लंबी अवधि तक छिपे रहने की क्षमता यही वह गुण हैं, जिनकी भारतीय नौसेना को लंबे समय से तलाश थी।

इस डील का महत्व केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है। इसका सीधा लाभ ह्यमेक इन इंडियाह्ण और ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ण अभियानों को मिलता है। निर्माण भारत में होने से देश के रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी, कुशल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और तकनीकी ज्ञान का हस्तांतरण होगा। जर्मनी के लिए यह डील भारत जैसे बड़े और भरोसेमंद साझेदार के साथ दीर्घकालिक सहयोग का अवसर है, जबकि भारत के लिए यह समुद्री सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन को मजबूत करने का साधन बनती है। बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा और समुद्री चुनौतियों के दौर में यह साझेदारी भारत की प्रतिरोधक क्षमता को नई धार देती है।

भारत और जर्मनी के रिश्ते केवल रक्षा तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग भी निरंतर विस्तार पा रहा है। आज भारत में दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियाँ सक्रिय हैं, जो ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, रसायन, ऊर्जा, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। यह संख्या जर्मनी के भारत पर भरोसे और भारत के बढ़ते बाजार सामर्थ्य का प्रमाण है। द्विपक्षीय व्यापार की बात करें तो भारत और जर्मनी के बीच वार्षिक व्यापार लगभग 26 से 30 बिलियन डॉलर के बीच आंका जाता है, और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावनाएँ जताई जा रही हैं।

जर्मनी से भारत मुख्य रूप से मशीनरी, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल और उनके पुर्जे, रसायन, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मेडिकल टेक्नोलॉजी और उन्नत इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। ये वे क्षेत्र हैं, जहाँ जर्मनी की तकनीकी दक्षता विश्वभर में प्रसिद्ध है। दूसरी ओर भारत जर्मनी को वस्त्र, परिधान, चमड़ा उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, केमिकल्स, आईटी सेवाएँ, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, कृषि-आधारित उत्पाद और इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात करता है। सेवा क्षेत्र में आईटी और डिजिटल समाधान भारत की मजबूत उपस्थिति को दशार्ते हैं, जबकि फार्मा और रसायन क्षेत्र भारत की विनिर्माण क्षमता का उदाहरण हैं।

इस व्यापारिक रिश्ते का लाभ दोनों पक्षों को मिलता है। जर्मनी को भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुँच मिलती है, जहाँ युवा आबादी, बुनियादी ढांचे का विस्तार और औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएँ हैं। भारत को जर्मनी से उन्नत तकनीक, गुणवत्ता मानक और नवाचार का लाभ मिलता है, जो घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाता है। यही कारण है कि दोनों देश केवल पारंपरिक व्यापार तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि स्टार्टअप्स, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, ग्रीन टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भी साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।

कच्छ-सौराष्ट्र जैसे क्षेत्रों में निवेश और व्यापारिक सम्मेलनों के जरिए इस सहयोग को जमीनी स्तर तक ले जाने की कोशिश दिखाई देती है। बी-टू-बी और बी-टू-जी बैठकों में जिस तरह का उत्साह देखने को मिल रहा है, वह बताता है कि स्थानीय उद्यमी, कारीगर, स्टार्टअप्स और तकनीकी विद्यार्थी वैश्विक अवसरों से जुड़ने के लिए तैयार हैं। ऐसे आयोजनों में उद्योग, कृषि, मत्स्य पालन, पर्यटन, पर्यावरण, सस्टेनेबिलिटी और भविष्य की तकनीकों पर संवाद न केवल निवेश को आकर्षित करता है, बल्कि ज्ञान और नवाचार के आदान-प्रदान को भी गति देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मुलाकात के बाद यह स्पष्ट संदेश सामने आया कि भारत-जर्मनी साझेदारी बहुआयामी है। यह साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और शांतिपूर्ण सहयोग पर आधारित है। रक्षा क्षेत्र में विश्वास, व्यापार में परस्पर लाभ, तकनीक में साझेदारी और संस्कृति में आत्मीयता इन चार स्तंभों पर यह रिश्ता आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव जैसे मंच पर इसका प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारत अपनी कूटनीति को केवल बंद कमरों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे जन-उत्सवों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाता है।

साबरमती के आसमान में उड़ी पतंगें इस बात की गवाह बनीं कि भारत और जर्मनी के संबंध केवल कागजी समझौतों तक सीमित नहीं हैं। यह एक ऐसी मित्रता है, जो संगीत की लय, नृत्य की मुद्राओं, कारीगरों की कला और रणनीतिक समझौतों आदि सबमें समान रूप से दिखाई देती है। आने वाले वर्षों में जब यह साझेदारी और गहरी होगी, तब शायद इन पतंगों की डोरें नए व्यापारिक मार्गों, नई तकनीकी खोजों और मजबूत रणनीतिक संतुलन से जुड़ी नजर आएँगी। साबरमती से उठा यह दोस्ती का संदेश दूर-दूर तक गया है, और संकेत दे रहा है कि भारत-जर्मनी संबंधों का आकाश अभी और भी विस्तृत होने वाला है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

धनौरा एसडीएम ने की बीएलओ संग बैठक,मतदाता सूची में सावधानी बरतने के लिए निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा के ब्लॉक मुख्यालय स्थित सभागार में बुधवार को उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव ने बीएलओ के साथ एक बैठक का आयोजन किया ,इस बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची में छूटे हुए मतदाताओं के नाम जोड़ना और बीएलओ एप पर डाटा फीडिंग को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करना रहा। बता दें कि बैठक के दौरान एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने विशेष रूप से आवेदकों के पते की प्रविष्टि पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बीएलओ ऐप पर मकान नंबर, गली, डाकघर और पिनकोड जैसी जानकारियां बिल्कुल सटीक भरी जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐप में पते के लिए 27 अक्षरों की सीमा तय है। यदि पता लंबा है, तो उसे अगले बॉक्स में भरा जा सकता है।एसडीएम ने हिदायत दी कि एक ही विवरण को दूसरे बॉक्स में न दोहराएं, अन्यथा मतदाता पहचान पत्र पर एक ही जानकारी दो बार छप जाएगी। पते को और अधिक सटीक बनाने के लिए उन्होंने घर के पास के किसी प्रसिद्ध लैंडमार्क को भी दर्ज करने का सुझाव दिया। उन्होंने ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पिनकोड या डाकघर का विवरण गलत होगा, तो डाक विभाग को पहचान पत्र डिलीवर करने में समस्या आएगी। साथ ही, भविष्य में किसी भी प्रकार का कानूनी नोटिस भेजने में भी कठिनाई हो सकती है। उन्होंने सभी बीएलओ को अपने क्षेत्र के डाकघर और पिनकोड की पूरी जानकारी रखने के निर्देश दिए ताकि मतदाताओं को कोई असुविधा न हो।इस अवसर पर तहसीलदार मूसा राम थारु, नायब तहसीलदार योगेश कुमार लोधी, सुपरवाइजर रमेश सैनी, विकास यादव, आदर्श मांगट, अमित वर्मा, अमित कुमार, मुकेश पूनिया, लक्ष्मण सिंह सैनी, लक्ष्मण सिंह टोलियां, विमल शर्मा और बीआरसी गौरव शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अमरोहा पुलिस लाइंस का निरीक्षण करने पहुंचे डीआईजी मुनिराज

निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का लिया जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को डीआईजी मुनिराज ने अमरोहा पुलिस लाइंस का निरीक्षण क्या इस दौरान उन्होंने अमरोहा जनपद में निमार्णाधीन नवीन पुलिस लाइंस का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान डीआईजी मुनिराज ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बता दें कि मुरादाबाद परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) मुनिराज ने अमरोहा जनपद में निमार्णाधीन नवीन पुलिस लाइंस का गहन निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने निमार्णाधीन भवनों, सड़कों, ग्राउंड और अन्य संरचनाओं की प्रगति एवं गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया। इस अलावा डीआईजी मुनिराज ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने, समयबद्ध और सुव्यवस्थित ढंग से कार्य पूर्ण कराने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने पर जोर दिया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया और क्षेत्राधिकारी लाइन दीप कुमार पंत सहित अन्य अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

सैनिक स्कूल लखनऊ एवं गोरखपुर की प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले 34 मेधावी छात्रों को मिठाई खिलाकर बधाई दी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा स्थित बीएसडी एकेडमी में 15 जनवरी को थल सेना दिवस के पावन अवसर पर एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष मौके पर क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंजलि कटारिया ने एकेडमी में पधारकर युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया और देशसेवा की भावना जगाई। अंजलि कटारिया ने सैनिक स्कूल लखनऊ एवं गोरखपुर की प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले 34 मेधावी छात्रों को मिठाई खिलाकर बधाई दी तथा आशीर्वाद प्रदान किया। साथ ही, आगामी 18 जनवरी को आयोजित होने वाली ऑल इंडिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सफलता की कामना की।उन्होंने एकेडमी के प्रबंधक नितिन धारीवाल, निर्देशिका सुशीला देवी एवं समस्त स्टाफ सदस्यों को भी थल सेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अंजलि कटारिया ने बच्चों को भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने, अनुशासन और साहस के साथ राष्ट्र की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी ही देश का भविष्य है और सेना में शामिल होकर वे अपने माता-पिता व राष्ट्र का नाम रोशन कर सकते हैं।कार्यक्रम में एकेडमी के कई गणमान्य व्यक्ति एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें रौनक, रवि शर्मा, राहुल पाल, तेजपाल विश्वकर्मा, हर्षित महल, ललिता, प्रत्यूष कपिल, विपिन, अजय, डोली, मुनाजिर, तुषार, परविंदर, दिशांत, संचित, हरिराम, नीतू, मोनिका, दिव्यांश, नितिन, पारुल, उमाक्षी, लविता आदि शामिल थे।

धनौरा में मकर-संक्रांति के अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन,उमड़े श्रृद्धालु

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को मंडी धनौरा में मकर संक्रांति के पुण्य अवसर पर मंदिर में महिलाओं ने हवन यज्ञ का आयोजन कराया और भगवान सूर्य देव की उपासना के पावन पर्व मकर संक्रांति को बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया। इस दौरान कड़ाके की ठंड में भी श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी दिखाई नहीं दी। मकर संक्रांति के अवसर पर मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी देखी गई।विभिन्न सामाजिक और धार्मिक आयोजनों से नगर का माहौल भक्तिमय बना रहा।नगर के मुख्य चौधरी चरण सिंह पार्क में एक विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने एकत्र होकर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दीं।यज्ञ में सम्मिलित महिलाओं ने राष्ट्र कल्याण और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम की आयोजक अनीता भटनागर ने बताया कि मकर संक्रांति पर यज्ञ करने का विशेष आध्यात्मिक महत्व है, जिससे वातावरण की शुद्धि होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।नगर के प्राचीन शिव मंदिर, श्री राम मंदिर और अन्य धार्मिक स्थलों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। लोगों ने पवित्र स्नान के बाद मंदिरों में तिल, गुड़ और खिचड़ी का दान किया। पर्व के उपलक्ष्य में कई स्थानों पर विशाल खिचड़ी भोज का भी आयोजन हुआ।राहगीरों और जरूरतमंदों को प्रसाद के रूप में गर्म खिचड़ी वितरित की गई।श्रद्धालुओं ने बताया कि सूर्य के उत्तरायण होने का यह पर्व अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का प्रतीक है। शाम तक नगर में उत्सव का माहौल बना रहा और लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी। इस मौके पर वैशाली गुप्ता, शांति शर्मा, मीना आर्य, भावना अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, मनीषा लवकुश, पूजा शर्मा, चित्रा अग्रवाल और साक्षी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी का प्रसाद किया गया वितरित

गोष्ठी आयोजित कर गौ माता के संरक्षण का दिलाया गया संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में शिवदास चौहान के आवास पर मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी प्रसाद तैयार कर वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि मकर संक्रांति का मानव जीवन में धार्मिक दृष्टि से बहुत महत्व होता है। मकर संक्रांति के दिन से सूर्य की गति उत्तर दिशा की ओर अर्थात सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं।महाभारत के समय अंतिम समय में भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण होने पर ही प्राण छोड़े थे। धार्मिक एवं शुभ कार्यों का आयोजन सूर्य उत्तरायण होने पर ही किया जाता है। इस अवसर पर अलग अलग घरों से इकट्ठा की गई सामग्री से बनी हुई खिचड़ी को सामूहिक रूप से प्रसाद के रूप में खाने से समाज में समरसता का भाव पैदा होता है। कृष्ण कुमार शर्मा ने आगे बताया कि गौ माता का भी मनुष्य के जीवन में बहुत महत्व है लेकिन आज हमारी उपेक्षा के कारण गौ माता भयानक शीत में खेत खेत भटकने को विवश है। गाय का दूध अमृत के समान माना गया है। गौ मूत्र एवं गाय के गोबर का खेती की दृष्टि से बहुत महत्व है। गौ आधारित प्राकृतिक खेती करने से जहां एक ओर लागत कम होने से खेती की आय में वृद्धि होगी वहीं रासायनिक दवाइयों, खादों के कम प्रयोग से पैदा हुए कृषि उत्पादों के सेवन से मानव शरीर स्वस्थ रहता है। अंत में गौवंशीय पशुओं के संरक्षण एवं पालन का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर कोविंद्र सिंह चौहान, रूप चंद्र चौहान,करणसिंह चौहान, महिपाल सिंह, मा छत्रसिंह सैनी, चंद्र शेखर, सतपाल सिंह, पिंटू सैनी, नरेंद्र सिंह, नौ सिंह, अमर सिंह, सुरेश कुमार, रघुवीर सिंह आदि मौजूद रहे। उधर क्षेत्र के ग्राम भदौरा में शिव मंदिर पर भी खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर चंद्रशेखर शर्मा, कुंवर पाल सिंह, शिवम सिंह, ठाकुर सिंह, विनोद कुमार, जगत सिंह, परवीन सिंह, देवराज सैनी,मृत्युंजय सिंह, भगवत सिंह, सुंदर पाल, विकास सिंह आदि मौजूद रहे।

शीतलहर और घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कड़ाके की ठंड और शीतलहर का कहर जारी है। गुरुवार की सुबह अमरोहा घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया। जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। बफीर्ली हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। जिससे गलन काफी बढ़ गई है। सुबह से ही छाए घने कोहरे का सीधा असर यातायात पर देखने को मिला। सड़कों पर वाहन लाइटें जलाकर रेंगते हुए नजर आए। लंबी दूरी की बसों और निजी वाहनों की गति पर ब्रेक लग गया। जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शीतलहर के चलते बढ़ी गलन ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। हाड़ कंपाने वाली इस ठंड से बचने के लिए लोग देर तक बिस्तरों में दुबके रहे। हर किसी को सूरज निकलने की उम्मीद थी, लेकिन दिन चढ़ने के बाद भी बादलों और कोहरे की ओट में सूरज छिपा रहा। अधिक ठंड के कारण लोग दिनभर कांपते नजर आए। ठिठुरन से बचने के लिए लोगों ने जगह-जगह अलाव का सहारा लिया। बाजार में भी ठंड का असर दिखा और अन्य दिनों की तुलना में भीड़ कम रही। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक ठंड और कोहरे का यह सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

धनौरा में पत्नी ने प्रेमी से कराई पति की हत्या,शव को रेलवे ट्रैक पर फैंका

पुलिस ने 22 घंटों में किया घटना का खुलासा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में बुधवार की सुबह रेलवे ट्रैक के किनारे पड़े युवक के शव ने इलाके में सनसनी फैला दी।शुरूआत में इसे ट्रेन हादसा माना गया, लेकिन पुलिस की गहन जांच ने इस घटना को एक सुनियोजित हत्या का मामला साबित कर दिया। अवैध रिश्तों में बाधा बनने पर पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतरवा दिया।सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव की पहचान ग्राम अट्टा निवासी टिंकू पुत्र हरनाम के रूप में हुई। घटनास्थल पर पहुंचे स्वजन पहले से ही हत्या की आशंका जता रहे थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, साजिश की परतें खुलती चली गईं। पूछताछ में मृतक की पत्नी संगीता ने कबूल किया कि उसके पिछले 11 वर्षों से नरसिंह निवासी ग्राम मानपुर, थाना चांदपुर (बिजनौर) से अवैध संबंध थे। पति टिंकू इस रिश्ते में लगातार रोड़ा बन रहा था।पुलिस के अनुसार 13 जनवरी की रात नरसिंह बहाने से टिंकू को घर से रेलवे ट्रैक के पास ले गया। वहां पहले उसे जमकर शराब पिलाई गई। नशे में धुत होने पर उसके गले में पड़े लाल कपड़े से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को रेलवे ट्रैक पर डाल दिया गया, ताकि मामला ट्रेन हादसे जैसा लगे। इस मामले में मृतक के भाई की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी प्रेमी व मृतक की पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया है। तेज तर्रार थाना प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटना का 22 घंटे में ही खुलासा कर दिया है। उधर जिला मुख्यालय पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपर पुलिस अधीक्षक ने पूरे घटनाक्रम का मीडिया के समक्ष खुलासा किया है।

सेना में चयन होने पर गांव में जश्न, हरीश राणा का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत

हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भीमाठीकरी में देशसेवा के लिए रवाना हुए जवान को दी गई शुभकामनाएं

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भीमाठीकरी में गुरुवार को उस समय खुशी का माहौल बन गया, जब गांव के होनहार युवक हरीश राणा, पुत्र तेजपाल सिंह, के भारतीय सेना में चयन होने पर प्रशिक्षण के लिए रवाना होते समय ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया। गांव पहुंचते ही हरीश राणा को फूलों की मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया और देशसेवा के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर राजेंद्र सिंह खड़कवंशी, ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी, विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने हरीश राणा को बधाई देते हुए कहा कि सेना में चयन होना न केवल परिवार बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसे युवा आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। कार्यक्रम के दौरान जगदीश सिंह, राजकुमार सिंह (डीलर), कुमार पाल (प्रधान), तुलसी राणा, राजवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में सम्मानित ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने हरीश राणा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए देशसेवा में सफल रहने का आशीर्वाद दिया। ग्रामीणों ने कहा कि हरीश राणा की इस उपलब्धि से गांव का नाम रोशन हुआ है और युवाओं में सेना में भर्ती होने का उत्साह बढ़ेगा। पूरे गांव में खुशी का माहौल रहा और लोग गर्व महसूस करते नजर आए।

जिले की गौ शालाओं में मकर संक्रांति पर गौ-सेवा का अनुपम दृश्य

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में मकर संक्रांति के पावन पर्व को विशेष उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त, सहायक अभियंता लघु सिंचाई तथा उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. चमन प्रकाश ने संरक्षित गौशालाओं में जाकर गौवंश के बीच पर्व मनाया। अधिकारियों ने गौ माता की सेवा को प्राथमिकता देते हुए नंदी विहार गुरेठा गौशाला में एक क्विंटल गुड़ और नमक दान स्वरूप अर्पित किया। यह दान गौवंश के पोषण और स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी माना जाता है। मकर संक्रांति पर गुड़-चने का प्रसाद और गौ-सेवा की परंपरा हिंदू धर्म में अत्यंत शुभ मानी जाती है, जो समृद्धि और पुण्य की प्राप्ति का माध्यम बनती है।इसके अलावा, अस्थायी गौ आश्रय स्थल दड़ियाल (विकास खंड गंगेश्वरी) में भी अधिकारियों ने गुड़ वितरित किया। यहां गौशाला के केयरटेकरों को कंबल भेंट कर उन्हें सर्दी से सुरक्षा प्रदान की गई। यह कदम गौ-सेवकों के प्रति संवेदनशीलता और सरकारी स्तर पर गौ-संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।यह कार्यक्रम गौ-सेवा की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में पशु-प्रेम और करुणा के मूल्यों को बढ़ावा देने वाला रहा। अमरोहा प्रशासन द्वारा की गई यह पहल न केवल गौवंश के कल्याण के लिए सराहनीय है, बल्कि सनातन परंपराओं को जीवंत रखने का सुंदर उदाहरण भी प्रस्तुत करती है। मकर संक्रांति के इस अवसर पर गौ-सेवा के माध्यम से सभी को सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई। ऐसे प्रयास जनपद में गौ-संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान साबित हो रहे हैं।

हाईवे पर अवैध पार्किंग पर चला ए.आर.टी.ओ प्रवर्तन का डंडा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर परिवहन विभाग ने अवैध पार्किंग और स्कूली वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा और पीटीओ सुधीर सिंह ने अपनी टीमों के साथ नेशनल हाईवे-9 पर विशेष कार्रवाई की। हाईवे को दो हिस्सों में विभाजित कर अभियान चलाया गया जहां ब्रजघाट से जोया टोल तक और जोया टोल से मुरादाबाद बॉर्डर तक। अधिकारियों ने बताया कि हाईवे किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े करने से बड़ी दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसी कारण यह कड़ी कार्रवाई की गई। ढाबों पर खड़े वाहनों के चालकों को भी अवैध पार्किंग के खतरों के प्रति जागरूक किया गया।आज के अभियान में कुल 70 वाहनों के खिलाफ अवैध पार्किंग के लिए चालान काटे गए। इसके अलावा स्कूलों की छुट्टी के समय स्कूली वाहनों के सुरक्षा मानकों की जांच के लिए विभिन्न स्कूलों में पहुंचकर भौतिक निरीक्षण किया गया। स्कूल संचालकों के सहयोग से 34 स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया गया।जांच में 2 वाहनों के परमिट अवैध पाए गए, जिन्हें नोटिस जारी कर 3 दिनों के अंदर वैध परमिट उप-संभागीय परिवहन कार्यालय, अमरोहा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।परिवहन विभाग ने कहा कि जनसुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सनसनीखेज मामला हत्या के शिकार युवक की गलत पहचान, अंतिम संस्कार के बाद जिंदा मिला युवक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में एक बेहद चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां सिर कुचलकर हत्या किए गए एक युवक के शव की पहचान गलत कर ली गई। जिस व्यक्ति को मृत मानकर पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार कर दिया गया, वही युवक मंगलवार को जिंदा बरामद हो गया। इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला 24 दिसंबर का है। बहजोई के चांदनी चौक स्थित खंडहर मार्केट में एक अज्ञात युवक का शव गंभीर हालत में मिला था। युवक की ईंट से सिर कुचलकर हत्या की गई थी। उसके सिर के पिछले हिस्से में गहरे चोट के निशान थे। घटनास्थल से एक बैग भी बरामद हुआ था। पुलिस ने शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। आसपास के लोगों और बाद में परिजनों

ने शव की पहचान बहजोई के गोलागंज निवासी सुशील कुमार के रूप में की। शव के हाथ पर बना टैटू, उम्र, कद-काठी और चेहरे की बनावट काफी हद तक सुशील से मेल खा रही थी। साथ ही मौके से मिला बैग भी सुशील के बैग जैसा बताया गया। सूचना मिलने पर बदायूं से सुशील की बहन और काशीपुर (उत्तराखंड) से उसके भाई अनिल कुमार और पप्पू बहजोई पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद दोनों भाइयों ने काली मंदिर स्थित श्मशान घाट पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। किसी कारण परिवार उससे दूरी बनाए हुए था और शुरूआत में उसकी गुमशुदगी या हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराने में भी हिचकिचाहट दिखाई गई। इसी बीच, एक मुखबिर के जरिए पुलिस को सूचना मिली कि सुशील जिंदा है और बहजोई क्षेत्र में घूमता देखा गया है। सूचना पर पुलिस सक्रिय हुई और मंगलवार को उसे एक चौराहे से बरामद कर लिया। थाना प्रभारी संत कुमार के अनुसार, सुशील को थाने लाया गया और बदायूं से उसकी बहन को बुलाया गया, जिसने उसकी जिंदा पहचान की। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है कि आखिर वह अज्ञात युवक कौन था जिसकी बेरहमी से हत्या की गई और उसकी पहचान कैसे गलत हो गई। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

करंट लगने से युवक की मौत, बिजली विभाग की लापरवाही का आरोप

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम विसारु में गुरुवार को बिजली विभाग की लापरवाही के चलते एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान हरीओम (25) पुत्र मदनलाल निवासी ग्राम विसारु के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार हरीओम बहजोई से खाद के कट्टे लेकर अपने गांव विसारु पहुंचा था। दोपहर करीब 12 बजे जब वह खाद के कट्टे उतार रहा था, उसी दौरान पास लगे बिजली के खंभे से एक तार नीचे की ओर लटका हुआ था, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। जैसे ही हरीओम ने खाद का कट्टा नीचे खींचा, उसका हाथ लटक रहे बिजली के तार से छू गया और उसे

तेज करंट लग गया। करंट लगते ही उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि बिजली विभाग की घोर लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है, क्योंकि घटना के बाद भी बिजली का तार उसी हालत में लटका हुआ है। मृतक के पिता मदनलाल ने कोतवाली बहजोई में तहरीर देकर बिजली विभाग के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मदन लाल ने बताया तीन साल पहले ही हरिओम की शादी हुई थी जिस पर दो बच्चे है।
पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। घटना से गांव में शोक का माहौल है।

10वीं के छात्र की करंट लगने से संदिग्ध मौत, मां की मौत के बाद परिवार पर टूटा दूसरा कहर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुल्हैटा में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां कक्षा 10वीं में पढ़ने वाले छात्र शिवम (14) पुत्र संजय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार शिवम की मौत बिजली का करंट लगने से मौके पर ही हो गई। शिवम अपने पिता संजय, छोटे भाई कपिल और छोटी बहन के साथ गांव में रहता था। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। शिवम के पिता मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि उसका बड़ा भाई अंबाला

मृतक शिवम का फाइल फोटो

में मजदूरी कर परिवार की मदद करता है। ग्रामीणों के अनुसार कुछ माह पूर्व अप्रैल में शिवम की मां प्रेमवती की कैंसर से मृत्यु हो गई थी। मां की मौत के बाद कम उम्र में ही शिवम पर घर की जिम्मेदारियां आ गई थीं। इतने कम उम्र में बड़ा सदमा झेलने वाले शिवम की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजनों ने बताया कि घटना के दिन पिता सुबह बच्चों के लिए रोटी बनवाकर मजदूरी के लिए जंगल की ओर चले गए थे। घर पर अकेला रह गया शिवम कथित तौर पर घर में बिजली के तार को स्विच बोर्ड (प्लग) से जोड़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान उसे तेज करंट लग गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस का कहना है कि जब पुलिस मौके पर पहुंची तब तक परिजन शिवम का अंतिम संस्कार कर चुके थे। पूछताछ में ग्रामीणों ने भी बिजली का करंट लगने से मौत होने की बात बताई है। फिलहाल पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है। घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है और हर आंख नम है।

महिला शक्ति संगठन ने जरूरतमंदों को खिचड़ी, कंबल व गर्म कपड़ों का किया वितरण

संभल(सब का सपना):- जनपद के हयात नगर में महिला शक्ति संगठन द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य शहर में सराहनीय माना जाता है। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर समाजसेवी दीपा वार्ष्णेय के नेतृत्व में जरूरतमंदों को खिचड़ी, कंबल और गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। महिला शक्ति संगठन की अध्यक्ष दीपा वार्ष्णेय ने बताया कि वर्ष 2013 से लगातार मकर संक्रांति के दिन इसी मंदिर परिसर में संगठन द्वारा सेवा कार्य किया जाता आ रहा है। इस दौरान हर वर्ष बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोग पहुंचते हैं, जिन्हें गर्म कपड़े और प्रसाद स्वरूप खिचड़ी वितरित की जाती है।
उन्होंने बताया कि संगठन का उद्देश्य गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना है। इसी क्रम में इस वर्ष भी ठंड को देखते हुए कंबलों का वितरण किया गया, जिससे जरूरतमंदों को राहत मिल सके। कार्यक्रम के दौरान महिला शक्ति संगठन की सदस्याओं का विशेष सहयोग रहा। सेवा कार्य को लेकर क्षेत्र के लोगों ने संगठन की सराहना की और इसे प्रेरणादायक बताया।

गन्ने से भरे ट्रक में उलझे बिजली के तार, खंभा गिरा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा कस्बे में ओवरलोड वाहनों का खतरा एक बार फिर सामने आया है। फवारा चौक पर गन्ने से भरे एक ओवरलोड ट्रक ने बिजली का खंभा तोड़ दिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि हादसे के समय कोई बड़ा जनहानि नहीं हुई, अन्यथा स्थिति गंभीर हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गन्ने से भरा ट्रक ओवरलोड था और गन्ने की ऊंचाई काफी अधिक थी। जैसे ही ट्रक फवारा चौक के पास पहुंचा, बिजली के खंभे से गुजर रहे तार ट्रक में लदे गन्ने में उलझ गए। तारों में फंसने के बाद ट्रक आगे बढ़ता

रहा, जिससे बिजली का खंभा झुकता हुआ टूट गया। अचानक खंभा गिरने से आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्योहारा और आसपास के इलाकों में गन्ना सीजन के दौरान ओवरलोड ट्रकों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही आम हो गई है। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसी लापरवाही के चलते आए दिन सड़क हादसे, बिजली के तार टूटने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचने की घटनाएं सामने आ रही हैं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोड वाहनों पर नियमित जांच और सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते प्रशासन ने सख्ती नहीं दिखाई, तो किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता।

झोपड़ी में आग लगने से वृद्ध महिला की जिंदा जलकर मौत मचा हड़कंप

धनारी/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम खलीलपुर में बृहस्पतिवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां झोपड़ी में आग लगने से एक वृद्ध महिला की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतका की पहचान राममूर्ति (70) पत्नी स्वर्गीय रामलाल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राममूर्ति अपने घर से थोड़ी दूर स्थित अपने घेर में बनी झोपड़ी में सो रही थीं। बृहस्पतिवार की शाम लगभग 4:30 बजे अचानक झोपड़ी से आग की तेज लपटें उठने लगीं। आग इतनी विकराल थी कि वृद्ध महिला को

बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका और वह झोपड़ी के साथ ही जलकर मौके पर ही दम तोड़ बैठीं। आग लगते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक आग लगने का स्पष्ट कारण पता नहीं चल सका है। मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।घटना के बाद गांव में शोक का माहौल बना हुआ है

डंपर की चपेट में आकर बुजुर्ग महिला की दर्दनाक मौत, हाईवे पर पसरा मातम

शेरकोट/ बिजनौर (सब का सपना):- शेरकोट थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर चुंगी नंबर-5 के पास बृहस्पतिवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आकर एक बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि महिला का शव क्षत-विक्षत हो गया, जिसे देखकर मौके पर मौजूद लोगों का दिल दहल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला सड़क पार कर रही थी, तभी अचानक आए डंपर ने उसे कुचल दिया। टक्कर के बाद महिला के शरीर के अंग सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-

तफरी मच गई और कुछ ही देर में सैकड़ों लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद फावड़े की मदद से शव के अंगों को एकत्र कराया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। शव की हालत देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात भी बाधित रहा, जिसे पुलिस ने समझा-बुझाकर नियंत्रित कराया।
स्थानीय लोगों ने हाईवे पर तेज रफ्तार भारी वाहनों के संचालन पर नाराजगी जताते हुए प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

कानपुर देहात के किसान हत्याकांड में शिवली पुलिस की सक्रियता से महिला समेत सभी आधा दर्जन गिरफ्तार

कानपुर। मामूली विवाद में हुए मलिकपुर गांव निवासी 55 वर्षीय किसान देवकीनंदन पासवान हत्याकांड का पुलिस की परिश्रम पूर्ण सक्रियता ने सटीक खुलासा कर दिया है। इस मामले में शिवली कोतवाल प्रवीन कुमार सिंह की अगुवाई में एसआई योगेंद्र कुमार द्वारा पुलिस टीम के साथ छापा मारकर गिरफ्तार किये गये इन आधा दर्जन आरोपियों के पास से 4 मोबाइल, एक हजार रुपये व हत्या में प्रयुक्त दो डंडा भी बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी केमुताबिक शिवली कल्याणपुर मार्ग पर स्थित सुरभि एजूकेशन सेंटर में चौकीदार देवकीनंदन की पत्नी ममता तथा गोविंद सिंह की पत्नी संगम के बीच कहासुनी होने के साथ ही मारपीट हो गई थी। जिस पर गोविंद सिंह की पत्नी संगम के बुलाने पर आए नई बस्ती मिजार्पुर थाना कल्याणपुर कानपुर नगर में रह रहे उसके भाई आकाश छोटू, विजय सिंह उर्फ गोरे उसके साथी ग्राम गंगरौली थाना गजनेर हाल पता बारा सिरोही थाना कल्याणपुर निवासी अमन, ग्राम अठावल थाना ललौली जिला फतेहपुर हाल पता सनिगवां थाना चकेरी कानपुर नगर निवासी अनूप सिंह आदि ने देवकीनंदन पासवान की झोपड़ी पर धावा बोल, देवकीनंदन उसकी पत्नी ममता, पुत्री गोमती, खुशबू बेटू तथा पुत्र सूरज को मारपीट कर घायल कर दिया था। बाद में उपचार के दौरान देवकीनंदन की मौत हो गई थी ,जिसके बाद पुलिस ने पहले से दर्ज मारपीट के मुकदमे में हत्या की धारा तरमीम कर उनकी तलाश कर रही थी। अवगत कराते चलें कि सभी हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने के रूप में कानपुर देहात की जिस थाना शिवली पुलिस को यह महत्व पूर्ण सफलता मिली आजकल उस शिवली थाने की कमान हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में भी अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले तेजतर्रार, व्यवहार कुशल प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार के हाथ में है। सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए अपनी जुझारू नौकरी के अबतक कार्यकाल में अनेक अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके जुझारू इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार सिंह यादव के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन उन्होंने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया।

बैंक से रुपये निकालने वालों को बनाते थे निशाना, शातिर महिला चोर गिरफ्तार

बहजोई पुलिस ने 1.60 लाख की चोरी का किया खुलासा, 50 हजार रुपये बरामद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में बैंक से रुपये निकालकर बाजार जाने वाले लोगों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए 50 हजार रुपये बरामद किए हैं। पीड़ित जगदीश पुत्र धर्म सिंह, निवासी ग्राम खेतापुर थाना बहजोई, ने 22 दिसंबर को थाने में तहरीर दी थी कि वह बैंक से 1 लाख 60 हजार रुपये निकालकर अपनी मोटरसाइकिल की डिग्गी में रखकर कांठ बाजार में खड़ी कर सामान लेने चले गए थे। इसी दौरान अज्ञात अभियुक्तों ने उनकी मोटरसाइकिल से रुपये चोरी कर लिए। मामले में थाना बहजोई पर अज्ञात के खिलाफ

मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस ने जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में सामने आया कि आरोपी रुपये चोरी कर स्विफ्ट कार (मध्यप्रदेश नंबर) में बैठकर फरार हो गए। ई-चालान ऐप से वाहन की जानकारी करने पर गाड़ी मध्यप्रदेश निवासी विजय सिंह सिसौदिया के नाम पंजीकृत पाई गई। सर्विलांस की मदद से वाहन स्वामी के पते पर पहुंचकर तस्दीक की गई तो आरोपियों के नाम गौरव पुत्र गोविंद, रोशनी पत्नी आकाश, रेशमा पत्नी पप्पू और सन्नो पत्नी आतिश प्रकाश में आए। पुलिस ने अथक प्रयासों के बाद मुकदमे में वांछित अभियुक्ता रोशनी पत्नी आकाश को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्ता की निशानदेही पर उसके घर से चोरी किए गए 50 हजार रुपये बरामद किए गए। पूछताछ में अभियुक्ता ने बताया कि गिरोह अलग-अलग स्थानों व राज्यों में जाकर बैंकों के आसपास खड़ा होकर बड़ी रकम निकालने वाले लोगों की रैकी करता था। मौका मिलते ही यह लोग चोरी कर लेते थे और महिला होने के कारण किसी को शक भी नहीं होता था। चोरी के बाद गिरोह तुरंत अपने घर वापस लौट जाता था। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

दीपक सक्सेना ने कराया अन्नपूर्णा होटल पर भव्य खिचड़ी भंडारा

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर अन्नपूर्णा होटल की ओर से खिचड़ी के विशेष भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। गुरुवार सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चले इस भव्य भंडारे में समाजसेवी दीपक सक्सेना ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन खिचड़ी का दान और प्रसाद वितरण करना अत्यंत शुभ माना जाता है, इसी परंपरा का निर्वाह करते हुए यह पहल की गई। इस अवसर पर समाजसेवी मुकुल गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार अर्पित त्यागी, सतवेन्दर सिंह गुजराल,अनुज कुमार, लल्लन, राहुल कुमार,अर्जुन कुमार,ओनिक सक्सेना,पूरन सिंह, पिंकी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर दीपक सक्सेना ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

नाटक के मंच से जागी सतर्कता: चांदपुर रेंज की अनूठी पहल से मानव गुलदार संघर्ष कम करने की कोशिश

चांदपुर/बिजनौर(सब का सपना):- जब जंगल और आबादी की सीमाएं आपस में टकराने लगें, तब टकराव को रोकने के लिए सिर्फ सख्ती नहीं, समझ और संवेदना की जरूरत होती है। इसी सोच को जमीन पर उतारते हुए चांदपुर रेंज ने मानवझ्र गुलदार संघर्ष को कम करने की दिशा में एक सराहनीय और मानवीय पहल शुरू की है। इस पहल के तहत गांवझ्रगांव जाकर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। वन्य रेंज चांदपुर के अंतर्गत बढ़ती मानवझ्रगुलदार मुठभेड़ों को देखते हुए वन विभाग ने यह महसूस किया कि केवल चेतावनी या कार्रवाई से समाधान संभव नहीं है। आम जनमानस को गुलदार के व्यवहार, उसकी प्रवृत्ति और उससे सुरक्षित सह-अस्तित्व के बारे में समझाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से 14 जनवरी 2025 को

ग्राम नाईपुरा, सैदपुरा और लाडूपुरा में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। इसके बाद 15 जनवरी 2025 को ग्राम मंसूरपुर, पिलाना, सिसोना, मलेशिया सहित अन्य क्षेत्रों में भी यह जागरूकता अभियान चलाया गया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्रामीणों को सरल भाषा और जीवंत अभिनय के जरिए यह बताया गया कि गुलदार कब और किन परिस्थितियों में मानव बस्तियों की ओर आता है, उससे किन स्थितियों में खतरा बढ़ सकता है और दैनिक जीवन में कौनझ्रकौन सी सावधानियां अपनाकर ऐसे हादसों से बचा जा सकता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर वर्ग ने इन नाटकों को न केवल देखा, बल्कि गंभीरता से समझा भी। कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रभावशाली पक्ष यह रहा कि इसमें केवल डर या खतरे की बात नहीं की गई, बल्कि वन्यजीवों के प्रति करुणा, सहानुभूति और जिम्मेदार व्यवहार का संदेश भी दिया गया। ग्रामीणों को यह समझाया गया कि गुलदार भी प्रकृति का हिस्सा है और मानवझ्र वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए दोनों के बीच संतुलन और समन्वय आवश्यक है। चांदपुर रेंज की यह पहल साबित करती है कि जागरूकता, संवाद और संवेदनशीलता के माध्यम से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। वन विभाग का मानना है कि भविष्य में भी इस तरह के नुक्कड़ नाटक अन्य गांवों में आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग सतर्क, जागरूक और वन्यजीवों के प्रति जिम्मेदार बन सकें। यह प्रयास न केवल मानव जीवन की सुरक्षा की दिशा में एक कदम है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण की भावना को मजबूत करने की एक सशक्त पहल भी है।

घने कोहरे के कारण कार अनियंत्रित होकर तालाब में गिरी, बड़ा हादसा टला

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के गांव जिक्रीवाला के पास तीर्थ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तालाब में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कार सवार श्रद्धालुओं में चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार कार में सवार चारों यात्री हरिद्वार से तीर्थ यात्रा कर अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में घना कोहरा छा जाने से चालक को आगे का रास्ता दिखाई नहीं दिया, जिससे कार का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे खाईनुमा तालाब में गिर गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और रस्सी की मदद से कार में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। इस दुर्घटना में कार सवार चारों यात्री घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए नजदीकी

अस्पताल भिजवाया गया। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। गनीमत रही कि समय रहते सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। कोहरे के चलते क्षेत्र में लगातार हादसों की आशंका को देखते हुए लोगों ने प्रशासन से सावधानी बरतने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

आवारा कुत्तों का महिला पर हमला, महिला घायल

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम झाड़पुरा में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खेत पर काम करने गई एक महिला पर आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। कुत्तों के हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। बताया गया कि महिला रोज की तरह खेत में काम कर रही थी, तभी अचानक कई आवारा कुत्तों ने उसे घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर

रहे लोग मौके की ओर दौड़े और किसी तरह कुत्तों को भगाकर महिला को बचाया। तब तक महिला को कई जगह गंभीर चोटें आ चुकी थीं। ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद गांव में आवारा कुत्तों को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है और पहले भी कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आवारा कुत्तों की समस्या से निजात दिलाई जाए, ताकि भविष्य में किसी और की जान खतरे में न पड़े।

नजीबाबाद के गांव ढाका नानू में हाथी की संदिग्ध मौत, उठे सवाल

वन विभाग पर घटना छिपाने के आरोप, मीडिया और किसानों को रोका गया

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- गांव ढाका नानू में एक हाथी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। जंगल और गांव की सीमा के पास हाथी का शव मिलने के बाद तरह-तरह की चचाएँ तेज हो गई हैं। ग्रामीणों और किसानों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है, वहीं वन विभाग की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाथी की मौत सामान्य नहीं लग रही है। किसी ने करंट लगने की आशंका जताई है तो कोई जहरीला पदार्थ खिलाए जाने की बात कह रहा

है। हालांकि, वन विभाग की ओर से अभी तक मौत के कारणों को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने क्षेत्र को घेर लिया और मीडिया कर्मियों तथा किसानों को घटनास्थल के अंदर जाने से रोक दिया। इससे लोगों में यह चर्चा और तेज हो गई है कि कहीं मामले को दबाने या सच्चाई पर पर्दा डालने की कोशिश तो नहीं की जा रही। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी लंबे समय से इस क्षेत्र में देखा जा रहा था और फसलों को नुकसान पहुंचा रहा था, लेकिन इसके बावजूद वन विभाग ने कोई ठोस इंतजाम नहीं किए। अब हाथी की अचानक मौत ने पूरे मामले को और संदेहास्पद बना दिया है। वन्यजीव प्रेमियों और किसानों ने मांग की है कि हाथी की मौत की निष्पक्ष जांच कराई जाए और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण माहौल है और हर किसी की नजर वन विभाग की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

किरतपुर में कानून से बेपरवाह काली फिल्म लगी स्कॉर्पियो, खौफ के साये में जीने को मजबूर नगरवासी

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर की सड़कों पर इन दिनों एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो लोगों की नींद और सुकून दोनों छीन रही है। यूपी 20 सीएच 2706 नंबर बताई जा रही यह गाड़ी सुप्रीम कोर्ट और शासन के स्पष्ट आदेशों को ठेंगा दिखाते हुए काली फिल्म लगाकर बेखौफ घूम रही है। सवाल यह नहीं कि काली फिल्म लगी है, सवाल यह है कि कानून की इतनी खुली अवहेलना के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई? स्थानीय नागरिकों के मुताबिक यह स्कॉर्पियो लगातार नगर क्षेत्र में चक्कर लगाती देखी जा रही है। गाड़ी के शीशों के पीछे कौन बैठा है, क्या मंशा है–कुछ भी साफ नजर नहीं आता। यही अनिश्चितता लोगों के दिलों में डर पैदा कर रही है। महिलाएं, बुजुर्ग

और बच्चे खास तौर पर खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मामले को और भी गंभीर बनाता है यह आरोप कि वाहन चलाने वाला व्यक्ति नाबालिग हो सकता है। अगर यह आशंका सच है, तो यह सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सीधे-सीधे लोगों की जान से खिलवाड़ है। नाबालिग हाथों में भारी वाहन और ऊपर से काली फिल्म–यह संयोजन किसी भी पल एक बड़ी दुर्घटना या आपराधिक वारदात का कारण बन सकता है। नगरवासियों का कहना है कि काली फिल्म लगी गाड़ियों का नाम आते ही मन में अपराध, डर और अनहोनी की तस्वीर उभर आती है। ऐसे में इस स्कॉर्पियो का खुलेआम घूमना आम लोगों के मन में भय का स्थायी ठिकाना बना रहा है। लोगों का दर्द इस बात को लेकर भी है कि पुलिस और परिवहन विभाग की खामोशी कहीं न कहीं इस डर को और गहरा कर रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से भावुक अपील की है कि समय रहते सख्त कदम उठाए जाएं। काली फिल्म तुरंत हटवाई जाए, चालक की उम्र और वाहन के दस्तावेजों की गहन जांच हो और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। नागरिकों का कहना है कि कानून अगर सिर्फ कागजों में रह गया, तो भरोसा टूटेगा और भय का अंधेरा और गहरा होगा। अब निगाहें पुलिस प्रशासन पर टिकी हैं–क्या वह इस डर को खत्म कर नगरवासियों को सुरक्षित माहौल देगा, या फिर यह काली स्कॉर्पियो यूं ही कानून और लोगों के भरोसे पर काली छाया डालती रहेगी?

जब मौन ने जगा दी आस्था हनुमान से दुर्गा तक एक कुत्ते की परिक्रमा ने बना दिया मंदिर को श्रद्धा का केंद्र

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कभी-कभी आस्था शब्दों की मोहताज नहीं होती। वह बिना बोले, बिना समझाए, सीधे मन को छू जाती है। ऐसा ही एक दृश्य इन दिनों बिजनौर जनपद की नगीना तहसील के ग्राम नंदपुर कला में देखने को मिल रहा है, जहाँ एक साधारण-सा कुत्ता असाधारण श्रद्धा का प्रतीक बन गया है। नगीना बढ़ापुर मार्ग से कुछ ही दूरी पर स्थित वर्षों पुराने सिद्ध पीठ मंदिर में स्थापित भगवान हनुमान की विशाल प्रतिमा के चारों ओर एक कुत्ता लगातार तीन दिनों तक परिक्रमा करता रहा। रविवार की सुबह शुरू हुई यह परिक्रमा तीसरे दिन तक निर्बाध चलती रही। ग्रामीण पहले तो इसे संयोग मानकर अनदेखा करते रहे, लेकिन जब बुधवार की सुबह वही कुत्ता हनुमान प्रतिमा को छोड़कर मंदिर परिसर में ही कुछ दूरी पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा की परिक्रमा करने लगा, तो लोगों की आंखें ठहर गईं। यह दृश्य अब केवल एक घटना नहीं रहा, बल्कि आस्था का प्रवाह बन गया। मंदिर प्रांगण में महिला-पुरुषों, बुजुर्गों और युवाओं की भीड़ उमड़ने लगी। आसपास के गांवों से हजारों श्रद्धालु इस मौन चमत्कार को देखने पहुंच

रहे हैं। कुछ ऐसा है, जो समझ से परे है ग्राम प्रधान देवेंद्र सिंह बताते हैं, पहले हम भी समझ नहीं पाए, लेकिन लगातार तीन दिन तक बिना रुके परिक्रमा और फिर मां दुर्गा की प्रतिमा के चक्कर यह दृश्य अपने आप में अद्भुत है। गांव के बुजुर्ग कहते हैं कि ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि कुत्ता न तो पानी पी रहा है, न प्रसाद ले रहा है। कई लोगों ने उसे भोजन देने की कोशिश की, लेकिन उसने कुछ भी स्वीकार नहीं किया। यह बात लोगों की आस्था को और गहरा कर रही है। भैरवनाथ के रूप में देख रहे श्रद्धालु मौके पर पहुंचे भाजपा क्षेत्रीय मंत्री अनूप बाल्मीकि ने मीडिया से बातचीत में कहा सनातन परंपरा में कुत्ते को भैरवनाथ का स्वरूप माना गया है। एक प्राचीन सिद्ध पीठ मंदिर में ऐसा होना साधारण नहीं कहा जा सकता। यह आस्था का विषय है और इसे नकारा नहीं जा सकता। सुरक्षा में जुटी पुलिस श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए थाना प्रभारी अवनीत मान पुलिस टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस तैनात की गई है और शरारती तत्वों पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। आस्था का सवाल, जवाब मौन यह घटना चमत्कार है या संयोग इसका उत्तर शायद किसी के पास नहीं। लेकिन इतना तय है कि एक निरीह प्राणी ने लोगों के भीतर छिपी आस्था को फिर से जगा दिया है। मंदिर की घंटियों, मंत्रों और भीड़ के बीच वह कुत्ता बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह जा रहा है कि विश्वास कभी-कभी शब्दों से नहीं, कर्म से जन्म लेता है।

बार काउन्सिल चुनाव: आज और कल होगा मतदान

बिजनौर (सब का सपना):- बार काउन्सिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव को लेकर जनपद बिजनौर में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिवक्ताओं के लोकतांत्रिक अधिकार के तहत यह चुनाव आज और कल संपन्न कराया जाएगा, जिसके लिए प्रशासन और चुनाव अधिकारियों द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। प्रथम अपर जनपद न्यायाधीश एवं पीठासीन अधिकारी, बार काउन्सिल ऑफ उत्तर प्रदेश निर्वाचन जनपद बिजनौर राम अवतार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदान प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक कराया जाएगा। मतदान स्थल के रूप में जनपद न्यायालय, बिजनौर स्थित दस कक्षीय भवन के सेंट्रल हॉल को चिन्हित किया गया है। मतदाता सूची में जिन अधिवक्ताओं के नाम दर्ज हैं, वही इस चुनाव में मतदान के पात्र होंगे। मतदान के दौरान पहचान के लिए केवल बार काउन्सिल ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा निर्गत सीओपी कार्ड, पहचान पत्र अथवा पंजीयन प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे। इसके अतिरिक्त किसी भी अन्य पहचान पत्र को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मतदान कक्ष में अस्त्र-शस्त्र, मोबाइल फोन तथा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही मतदान स्थल के 100 मीटर के दायरे में पोस्टर, बैनर या किसी भी प्रकार के प्रचार सामग्री लगाने पर रोक लगाई गई है। न्यायालय परिसर में वाहनों का प्रवेश भी पूर्णतः निषेधित रहेगा, ताकि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इसके अतिरिक्त जनपद के बाह्य न्यायालय नगीना, नजीबाबाद और चांदपुर से संबंधित अधिवक्ताओं के लिए उनके-अपने न्यायालयों में चिन्हित स्थानों पर निर्धारित तिथि और समय के अनुसार मतदान कराया जाएगा।

मां बनने का सपना बना डरावना सच

नॉर्मल डिलीवरी का भरोसा, ऑपरेशन ने बिगाड़ी हालत, परिजनों का फूटा गुस्सा

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- एक परिवार के लिए खुशियों का पल उस वक्त खौफ और अनिश्चितता में बदल गया, जब सुरक्षित मातृत्व का भरोसा देकर इलाज कर रही एक महिला डॉक्टर के फैसले ने गर्भवती महिला की जान खतरे में डाल दी। मामला धामपुर क्षेत्र का है, जहां मैक्स हॉस्पिटल के नाम से संचालित एक निजी अस्पताल पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। पीड़ित परिजनों के अनुसार, अस्पताल की संचालिका डॉ. प्रीति ने गर्भवती महिला को नॉर्मल डिलीवरी का भरोसा दिलाया था। परिवार इसी भरोसे के सहारे अस्पताल पहुंचा था। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, हालात बदले। अचानक डॉक्टर अपने दावे से मुकर गईं और ऑपरेशन करने

का निर्णय ले लिया गया। ऑपरेशन के बाद महिला की हालत लगातार बिगड़ती चली गई, जिससे परिवार में हड़कंप मच गया। हालत गंभीर होने पर महिला को मुरादाबाद रेफर करने की बात कही गई, लेकिन परिजनों का आरोप है कि मुरादाबाद ले जाने के बजाय उसे धामपुर के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। फिलहाल महिला वहीं जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। अस्पताल के बाहर खड़ा परिवार बेसब्री से एक अच्छी खबर का इंतजार कर रहा है। मरीज के पति राहुल का कहना है कि अगर शुरूआत में ही सच्चाई बता दी जाती, तो शायद आज उनकी पत्नी इस हाल में न होती। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा मामला झोलाछाप तरीके से इलाज करने और नियमों की अनदेखी का है। राहुल ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को इस पीड़ा से न गुजरना पड़े। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही धामपुर के आरएसएम तिराहा स्थित चौहान चिल्ड्रन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक बच्चे की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल को सील किया था। इसके बावजूद ऐसे कथित अस्पतालों का खुलेआम संचालन स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जहां एक महिला अस्पताल के बिस्तर पर जिंदगी की जंग लड़ रही है, और उसके परिजन न्याय की आस लगाए बैठे हैं। सवाल यही है–क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी, या फिर मातृत्व की यह पीड़ा भी फाइलों में दबकर रह जाएगी?

खौफ के साये से मुक्ति: शेरकोट में विशालकाय अजगर के रेस्क्यू पर ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

शेरकोट/बिजनौर(सब का सपना):- थाना शेरकोट क्षेत्र के नूरपुर छिपरी गांव में उस वक्त दहशत का माहौल बन गया, जब आबादी के पास एक विशालकाय अजगर देखे जाने की सूचना फैल गई। खेतों और घरों के बीच अचानक प्रकट हुए इस अजगर ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी। बच्चों को घरों में कैद कर लिया गया और लोग डर के मारे बाहर निकलने से भी कतरा रहे थे। सूचना मिलते ही सर्प मित्र बी. भास्कर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 100 किलो से अधिक वजनी इस अजगर को सकुशल काबू में लिया गया। बताया जा रहा है कि यह अब तक शेरकोट क्षेत्र में पकड़ा गया सबसे बड़ा अजगर है, जिसे देखकर अनुभवी लोग भी हैरान रह गए। रेस्क्यू के दौरान सर्प मित्रों ने पूरी सतर्कता और

मानवीय संवेदना के साथ काम किया, ताकि न तो किसी ग्रामीण को नुकसान पहुंचे और न ही वन्य जीव को कोई चोट लगे। अजगर को सुरक्षित तरीके से पकड़कर जंगल क्षेत्र में छोड़ने की प्रक्रिया पूरी की गई। अजगर के पकड़े जाने के बाद गांव में फैला डर धीरे-धीरे सुकून में बदल गया। ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और सर्प मित्र बी. भास्कर व उनकी टीम का आभार जताया। लोगों का कहना है कि समय रहते रेस्क्यू न होता तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। यह घटना न सिर्फ ग्रामीणों के लिए राहत लेकर आई, बल्कि यह भी याद दिला गई कि इंसान और वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाए रखने में ऐसे संवेदनशील और प्रशिक्षित सर्प मित्रों की भूमिका कितनी अहम है।

190 यात्रियों को लेकर एक घंटे तक हवा में घूमा प्लेन, फिर दिल्ली वापस लौटा एयर इंडिया का विमान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली से सिंगापुर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी दिक्कत आ गई, जिस वजह से फ्लाइट को दिल्ली वापस लौटना पड़ा। इस फ्लाइट में 190 लोग सवार थे। सूत्रों के मुताबिक, इस सर्विस को ऑपरेट करने वाले ड्रीमलाइनर एयरक्राफ्ट में टेक्निकल दिक्कत आ गई थी। सूत्रों ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि एपीयू (ऑक्सिलरी पावर यूनिट) में आग लगने की वॉर्निंग मिली थी, जिसके बाद एयरक्राफ्ट करीब एक घंटे हवा में रहने के बाद दिल्ली लौट आया। इसके बाद यात्रियों को दूसरे एयरक्राफ्ट से सिंगापुर भेजा गया। वहीं, एयर इंडिया के प्रवक्ता से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि 14 जनवरी को दिल्ली से सिंगापुर जाने वाली फ्लाइट एआई 2380 के ऑपरेटिंग क्रू ने एक शक वाली टेक्निकल दिक्कत की वजह से टेकऑफ के तुरंत बाद एहतियात के तौर पर दिल्ली लौटने का फैसला किया। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'एयरक्राफ्ट दिल्ली में सेफ लैंड हो गया। दिल्ली में हमारी ग्राउंड टीमों ने यात्रियों को सभी जरूरी मदद दी और फ्लाइट दूसरे एयरक्राफ्ट से सिंगापुर के लिए रवाना हो गई।' प्रवक्ता ने इस अचानक हुई स्थिति की वजह से यात्रियों को हुई परेशानी के लिए अफसोस भी जताया।

5 दिन के अंदर दिल्ली में दूसरी बड़ी साइबर ठगी, 70 वर्षीय महिला कारोबारी को डिजिटल अरेस्ट कर ठगे सात करोड़

दक्षिणी दिल्ली। ग्रेटर कैलाश और जीके जैसे इलाके में रहने वाले बुजुर्ग करोड़पतियों पर साइबर ठगों की नजर पड़ चुकी है। कॉलोनियों में अलग-थलग रहने वाले बुजुर्गों को ये जालसाज आसानी से डराकर ठगी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। पांच दिन के भीतर इन इलाकों में दो बड़ी वारदात को अंजाम देकर 22 करोड़ रुपये की ठगी कर डाली। दोनों ही मामले में पैटर्न भी लगभग एक जैसे हैं। डिजिटल अरेस्ट कर पहले झूठे मामले में फंसाने का डर दिखाया गया। फिर अलग-अलग खातों में करोड़ों रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। ताजा मामला ग्रेटर कैलाश पार्ट-एक का है, जहां जालसाजों ने 70 वर्षीय महिला कारोबारी को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। अलग-अलग खातों में लगभग सात करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। पीड़िता की शिकायत पर जीके-एक थाने की पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। पांच दिन पहले सीआर पार्क थाना क्षेत्र में भी एनआरआई दंपती को 18 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 15 करोड़ रुपये की साइबर ठगी की गई थी।

गणतंत्र दिवस को लेकर हाई अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां, 5 हजार सीसीटीवी से होगी निगरानी; 20 हजार पुलिसकर्मी तैनात

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व स्तर पर कड़ी कर दी गई है। इस बार परेड और उससे जुड़े कार्यक्रमों के दौरान किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। सुरक्षा घेरा इस तरह तैयार किया गया है कि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। सूत्रों के अनुसार परेड रूट और उसके आसपास के इलाकों में लगभग पांच हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा 20 हजार के करीब पुलिसकर्मी समारोह स्थल और उसके आसपास तैनात किए जाएंगे, जबकि 12 हजार जवानों को दिल्ली की प्रमुख और संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही सीमावर्ती राज्यों से सटे सभी बॉर्डरों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। 26 जनवरी और बीटिंग रिट्रीट के दौरान राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के हवाई क्षेत्र में अस्थायी प्रतिबंध भी लागू रहेंगे। सामान लाने पर सख्ती परेड देखने आने वाले दर्शकों को कम से कम सामान लाने की सलाह दी गई है। सुरक्षा जांच को सुगम बनाने के लिए केवल पहचान पत्र, मोबाइल फोन, जरूरी दस्तावेज और पानी की छोटी बोतल साथ लाने की अनुमति होगी। इन चीजों पर पूरी तरह रोक सुरक्षा कारणों से हैंडबैग, चाकू, ब्लेड, कोई भी तेजधार वस्तु, आतिशबाजी का सामान, सेल्फी स्टिक, सिगरेट, माचिस, लाइटर, बिना अनुमति पावर बैंक, लेजर लाइट, ड्रोन और प्रोफेशनल कैमरा परेड स्थल पर ले जाने की इजाजत नहीं होगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे दिशा-निर्देशों का पालन कर सहयोग करें, ताकि गणतंत्र दिवस समारोह शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराया जा सके।

जर्जर पाइपलाइनों से 'रिस' रही लापरवाही, दूषित पानी ही पी रही है दिल्ली-एनसीआर की 60 प्रतिशत आबादी

नई दिल्ली। दिल्ली सहित एनसीआर की 60 प्रतिशत आबादी दूषित पानी ही पी रही है। साफ पानी भी उन्हें ही मयस्सर है जिनके घरों में आरओ लगे हैं। अधिकतम जनता ये ही सशंकित रहती है कि उनके घरों में कब पाइपलाइन से सीवर का पानी मिलकर आने लगे, इसका कोई भरोसा नहीं। इंदौर की घटना के बाद सभी शहर चेते, पानी की जांच कराई गईं तो लोगों के मन में डर और गहरा हो गया। ग्रेटर नोएडा के डेल्टा, अल्फा सेक्टरों में तो 70 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। दिल्ली में दूषित पानी की समस्या कितनी पुरानी, कितनी बदहाल है ये किसी से छिपा नहीं है। बीते दिनों की गई पड़ताल में पूरे एनसीआर क्षेत्र में ऐसी स्थिति सामने भी आई। दिल्ली में ये मामला विधानसभा में उठा और जल मंत्री को जवाब तक देना पड़ा। स्वच्छ पेयजल एक मूलभूत आवश्यकता है, अधिकार है। जिसे पूरा करने में हर हाल में सरकार को हरसंभव प्रयास करने चाहिए, लेकिन निराशाजनक है कि अब भी दिल्ली व एनसीआर के अन्य शहरों में सभी घरों तक नल से जल नहीं पहुंच रहा है। पानी की पाइपलाइनें दशकों पुरानी और जर्जर हो चुकी हैं। ऐसे में सवाल ये ही उठता है कि दिल्ली समेत एनसीआर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार विभाग और अधिकारियों की जवाबदेही क्यों नहीं तय होती? जनता को स्वच्छ पेयजल का अधिकार मिले इसके क्या किए जाने चाहिए ठोस उपाय, इसी की पड़ताल हमारा आज का मुद्दा है।

विश्व पुस्तक मेले में कैलाश सत्यार्थी दिया करुणा का 'उडी' मंत्र, पोलैंड के राजदूत से साझा किया इतिहास

नई दिल्ली। भारत मंडपम में चल रहे 53वें विश्व पुस्तक मेले के पांचवें दिन का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय फोकस के साथ हुआ, विदेशी मंडप में साहित्य, कूटनीति व पुस्तकों के भविष्य पर वैचारिक सत्रों का आयोजन हुआ। बुधवार का एक अन्य आकर्षण पोलैंड के राजदूत एचई पियोटर स्विटाल्स्की के साथ "बुक्स एंड लिटरेचर पर एक संवाद" था। राजदूत ने कहा कि भारत की ही तरह पोलैंड को भी विभाजन का दंश झेलना पड़ा है। यह दोनों देशों की साहित्यिक परंपराओं की ताकत थी कि उन्होंने अपनी धर्मनिरपेक्ष पहचान को जीवित रखा। उन्होंने दो राष्ट्रों और राज्य के गठन के संबंध में उनके साझा ऐतिहासिक और सामाजिक इतिहास के बीच एक कड़ी के रूप में रबींद्रनाथ टैगोर के लेखन की भी बात की। कैलाश सत्यार्थी का युवाओं के लिए श्रीडी विजन नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने करुणा की शक्ति पर बात करते हुए अपनी आगामी पुस्तक करुणाः द पावर आफ कम्पेशन और उनकी हाल ही में प्रकाशित आत्मकथा पर बात की। युवा दर्शकों को संबोधित करते हुए, उन्होंने आधुनिक संबंधों की नजाकत और सहानुभूति, जिम्मेदारी और सम्मान की तत्काल आवश्यकता के बारे में बात की। जीवन के लिए अपने प्रेरणादायक श्रीडी मंत्र सुझाया।

युवाओं से करुणा को उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई में बदलने का आग्रह किया। पुस्तक विमोचन और चर्चा हॉल नं. पांच में प्रभात प्रकाशन के स्टाल पर लेखक सचिन कुमार जैन की नई पुस्तक भारत में सामाजिक नागरिक पहल का ऐतिहासिक सफरनामा का विमोचन हुआ। संपादक पूजा सिंह, लेखक सचिन जैन, निदेशक प्रभात कुमार और पीयूष कुमार उपस्थित रहे। जैन की पुस्तक नागरिक आंदोलनों के सफर को दशार्ती है, जो समाज को प्रेरित करती है। इसके अलावा नोबेल विजेता कैलाश सत्यार्थी की बेस्टसेलर पुस्तकों– सपनों की उड़ान, आजाद बचपन की ओर, बदलाव के बोल, सभ्यता का संकट और समाधान–पर गहन चर्चा हुई। इन किताबों ने बाल अधिकार, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन पर प्रकाश डाला। साहित्यिक उत्सव और सांस्कृतिक मंच भी आए साथ दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 का फेस्टिवल आफ फेस्टिवल्स 3.0 भारत मंडपम को एक ऐसे मंच के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जहां देश के प्रतिष्ठित साहित्यिक उत्सव एवं सांस्कृतिक मंच एक साथ आ गए हैं। पुस्तक लोकार्पण, समूह चर्चा और विशेष सत्रों में 100 से ज्यादा वक्ता इसमें शामिल हो रहे हैं। इनमें शामिल पुरी लिटरेचर फेस्टिवल (पीएलएफ) ने देश के इतिहास, स्मृति, आस्था, जेंडर और समकालीन जीवन से जुड़े विषयों पर बौद्धिक रूप से समृद्ध सत्रों की एक श्रृंखला का संयोजन किया है। रेल्स, रिपब्लिक, एंड दि लाइव्स वी इनहेरिट शीर्षक सत्र में भारतीय रेलवे को देश के एक जीवंत अभिलेख के रूप में प्रस्तुत किया गया।

नालंदा इंटरनेशनल लिटरेचर फेस्टिवल प्राचीन नालंदा की उस विरासत से प्रेरित है, जो कभी वैश्विक ज्ञान का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। द ग्रेट इंडियन बुक टूर के अंतर्गत आयोजित साहित्यिक संवादों ने फेस्टिवल आफ फेस्टिवल्स 3.0 के दायरे को और विस्तार दिया।

आईजीआई एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित, ईरान में एयरस्पेस बंद होने से भारतीय एयरलाइंस ने जारी एडवाइजरी

नई दिल्ली। ईरान में जारी अशांति, विरोध प्रदर्शनों और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अचानक अपना एयरस्पेस बंद कर दिया, जिससे कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित हुई हैं। भारतीय एयरलाइंस इंडिगो और एयर इंडिया ने भी यात्रियों को ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है, जिसमें कुछ फ्लाइट्स में देरी, रीरूटिंग या कैंसिलेशन की संभावना बताई गई है। ईरान का एयरस्पेस बंद होने का फैसला बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक कई घंटों के लिए लागू रहा, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानें ईरान के ऊपर से गुजरने वाली रूट्स पर प्रभावित हुईं। यह क्षेत्र यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया जाने वाली कई फ्लाइट्स के लिए महत्वपूर्ण कॉरिडोर है। ये फ्लाइट्स

कैंसिल एयर इंडिया ने बताया कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रभावित क्षेत्र से गुजरने वाली फ्लाइट्स अब वैकल्पिक रूट्स का इस्तेमाल कर रही हैं, जिससे उड़ान समय में वृद्धि और देरी हो सकती है। जहां रीरूटिंग संभव नहीं है, वहां कुछ फ्लाइट्स को कैंसिल किया जा रहा है। एयर इंडिया ने कम से कम तीन अमेरिका जाने वाली फ्लाइट्स (दिल्ली-न्यूयॉर्क, दिल्ली-न्यूर्क और मुंबई-न्यूयॉर्क) को कैंसिल किया है। इंडिगो ने भी एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ईरान के अचानक एयरस्पेस बंद होने से उनकी कुछ अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं। कंपनी की टीमें स्थिति की समीक्षा कर रही हैं और प्रभावित यात्रियों को बेहतरीन विकल्प उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही हैं। यात्रियों को सलाह यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे इंडिगो की वेबसाइट पर जाकर फ्लेक्सिबल रीबुकिंग ऑप्शंस देखें या रिफंड क्लेम करें। यह स्थिति कंपनी के नियंत्रण से बाहर है, और यात्रा में हुई असुविधा के लिए खेद जताया गया है। उल्लेखनीय है कि यह बंदी ईरान में आर्थिक संकट और विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई से जुड़ी अशांति के कारण हुई है, जिसके चलते अमेरिका ने हस्तक्षेप की धमकी दी है। ईरान ने बाद में एयरस्पेस फिर से खोल दिया, लेकिन कई एयरलाइंस सतर्कता बरतते हुए वैकल्पिक रूट्स का इस्तेमाल कर रही हैं। यात्रियों को सलाह है कि वे अपनी फ्लाइट स्टेटस चेक करें और एयरलाइंस से संपर्क में रहें।

दिल्ली में एनकाउंटर, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटर दबोचे; गोली लगने से बाल-बाल बचा पुलिसकर्मी

नई दिल्ली। दिल्ली में उत्तरी जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े दो कुख्यात शूटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने एक ही रात में पश्चिम विहार के एक जिम और विनोद नगर इलाके में फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। सूचना के आधार पर पुलिस ने हिरणकी यमुना पुस्ता पर ट्रैप लगाया। वहीं, रुकने का इशारा करने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक गोली पुलिसकर्मी की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों के पास से दो पिस्टल, कारतूस और स्कूटी बरामद हुई है। अभी दोनों शूटरों से पूछताछ की जा रही है।

अगले आठ माह में दिल्ली को मिल जाएंगे चार नए अस्पताल, 3000 बेड बढ़ेंगे; अब तक 978 करोड़ खर्च

नई दिल्ली। अगले आठ माह में दिल्ली को चार नए अस्पताल मिल जाएंगे। इनमें से ज्वालापुरी, मादीपुर और सिरसपुर के जुलाई तक ही तैयार कर दिए जाने का लक्ष्य है, वहीं हस्तसाल अस्पताल सितंबर तक तैयार हो सकेगा। इनके तैयार होने पर दिल्ली को 3000 अतिरिक्त बेड मिलेंगे। इन अस्पतालों में ज्वाला पुरी और मादीपुर अस्पताल का काम 75- 75 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। हस्तसाल अस्पताल का काम अभी 65 प्रतिशत पूरा हुआ है और सिरसपुर अस्पताल का काम 80 प्रतिशत पूरा हो गया है। इन अस्पतालों पर अब तक 978 करोड़ खर्च हो चुके हैं और 600 करोड़ से अधिक की जरूरत है। इन चार अस्पतालों पर दिल्ली सरकार वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में

मार्च तक 112 करोड़ और वित्तीय वर्ष 2026-27 में 515 करोड़ रुपये खर्च करेगी। मैनपावर और फर्नीचर की तैयारी को लेकरा प्रगति की स्थिति की बात करें तो सरकार इसके लिए अभी से गंभीर हो गई है। सरकार का प्रयास है कि जब तक अस्पताल पूरी तरह से तैयार हों तब तक अस्पताल के संचालन के लिए कर्मचारी और स्टाफ तथा मशीनें का इंतजाम किया जा सके। ज्वालापुरी और मादीपुर की बात करें तो परियोजना निदेशक को पीडब्ल्यूडी द्वारा किए जाने वाले बाकी काम को ध्यान में रखते हुए इक्विपमेंट, मैनपावर और फ्यूचर के नए प्रपोजल जमा करने का निर्देश दिया गया है। सरकार के सूत्रों की मानें तो इससे पहले इन अस्पतालों को लेकर लापरवाही का आलम यह था कि 2023 में प्रस्ताव जमा किया गया था, मगर उसे बगैर किसी कारण के लौटा दिया गया था। इसी तरह हस्तसाल अस्पताल का प्रस्ताव भी लटका दिया गया था। परियोजना निदेशक को प्रस्ताव दोबारा जमा करने का निर्देश दिया गया है। सिरसपुर अस्पताल को लेकर परियोजना निदेशक का प्रस्ताव जांच के लिए प्लानिंग ब्रांच भेज दिया गया है। इक्विपमेंट और मेडिकल फर्नीचर के लिए प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है। पूर्व की सरकार की लापरवाही से परियोजनाओं में देरी हुईः प्रवेश वर्मा पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि लगभग 1,000 करोड़ पब्लिक का पैसा खर्च किया गया, फिर भी अस्पताल नहीं बने। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि पूर्व की सरकार में जवाबदेही पूरी तरह से खत्म हो गई थी। कहा कि हमने कानूनी कार्रवाई शुरू की है

उन्नाव बलात्कार मामला में कुलदीप सिंह सेंगर के खिलाफ और सबूत देना चाहती है पीड़िता, दिल्ली एचसी ने सीबीआई से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उन्नाव दुष्कर्म मामले में पीड़िता ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर निष्कासित भाजपा नेता व पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के खिलाफ मामले में अतिरिक्त साक्ष्य पेश करने की अनुमति मांगी है। सेंगर को नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, जिसकी अपील फिलहाल दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पीड़िता की इस याचिका पर सीबीआई और कुलदीप सिंह सेंगर से जवाब तलब किया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मधु जैन की खंडपीठ ने गुरुवार को इस आवेदन पर प्रारंभिक सुनवाई की। पीड़िता की ओर से

वकील महमूद प्राचा ने अदालत में दलील दी कि उनकी मुवक्किल मामले में अपनी उम्र से संबंधित दस्तावेजों सहित कुछ अतिरिक्त सबूत पेश करना चाहती हैं। हालांकि, पीठ ने नोट किया कि ये दस्तावेज याचिका के साथ संलग्न नहीं किए गए हैं। अदालत ने पीड़िता के वकील को निर्देश दिया कि वे 31 जनवरी तक सभी संबंधित दस्तावेज दाखिल करें। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 25 फरवरी को तय की है। वहीं, सीबीआई और कुलदीप सिंह सेंगर को दो सप्ताह के भीतर इस आवेदन पर अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि 23 दिसंबर 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंगर की सजा को उसकी अपील लंबित रहने तक निलंबित कर दिया था, लेकिन 29 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी थी। इस मामले में सेंगर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन अदालत में पेश हुए। इससे पहले तिस हजारी कोर्ट ने उन्नाव के नाबालिग दुष्कर्म मामले में कुलदीप सिंह सेंगर को दोषी करार देते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उन्नाव से दिल्ली स्थानांतरित किया गया था

मर्डर से दहल उठी पूर्वी दिल्ली, बदमाशों ने देर रात में दिया वारदात को अंजाम; जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अपराध थमने का नाम नहीं ले रहा है। पूर्वी दिल्ली में एक बार फिर से हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में बुधवार रात को मुकेश नाम के व्यक्ति की हत्या कर दी गई। आशंका है कि पुरानी रंजिश में दो बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। वहीं, वारदात की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस की जांच के बाद भी घटना के कारण का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं को लेकर गहनता से जांच कर रही है।

दिल्ली में अगले तीन घंटे बेहद घना कोहरा, उड़ानों-ट्रेनों और ट्रैफिक पर असर की आशंका; आईएमडी की चेतावनी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मौसम केंद्र, नई दिल्ली ने गुरुवार सुबह 6:30 बजे जारी जिला स्तरीय नाउकास्ट में चेतावनी दी है कि दिल्ली के सभी जिलों में अगले तीन घंटों के दौरान बहुत घना कोहरा छाया रहेगा। यह अलर्ट सुबह 8:30 बजे तक प्रभावी रहेगा नाउकास्ट मानचित्र के अनुसार उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, मध्य, शाहदरा, नई दिल्ली, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिल्ली सभी क्षेत्र कोहरे की चपेट में हैं। इससे दृश्यता बेहद कम होने, सड़क और रेल यातायात बाधित होने तथा हवाई सेवाओं पर असर पड़ने की संभावना जताई गई है। बहुत घने कोहरे से इन दिक्कतों की आशंका हवाईअड्डों, राजमार्गों और रेलवे रूट्स पर परिचालन प्रभावित हो सकता है। वाहन चालकों को कम गति से चलना पड़ सकता है, जिससे यात्रा समय बढ़ेगा। सड़क दुर्घटनाओं की आशंका, बिजली लाइनों के ट्रिप होने और आंखों में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। दमा और ब्रोंकाइटिस के मरीजों को अधिक परेशानी हो सकती है ये सावधानियां बरतने की सलाह मौसम विभाग ने नागरिकों को वाहन चलाते समय फॉग लाइट का उपयोग करने, हवाई और रेल यात्रा से पहले संबंधित विभागों से शेड्यूल की जानकारी लेने, अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने और जरूरत पड़ने पर चेहरे को ढककर रखने की सलाह दी है। बिजली विभागों को भी मेंटेनेंस टीमें तैयार रखने को कहा गया है।

काजू के डिब्बों में छिपाकर हो रहा था गांजा तस्करी, दिल्ली क्राइम ब्रांच ने तीन तस्करों को दबोचा

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने एक बड़े अंतरराज्यीय गांजा सिंडिकेट के तीन तस्करों सोनू, अजीत और रुद्रप्रताप उर्फ पप्पू को गिरफ्तार किया है। आरोपी काजू के डिब्बों में छिपाकर गांजे की खेप की तस्करी करते थे और कूरियर सर्विस के जरिए दिल्ली भेजते थे। पिछले एक साल में उन्होंने ओडिशा से 5,000 किलोग्राम गांजा मंगवाया था और दिल्ली-एनसीआर में बेचा था। उनके पास से 165.74 किलोग्राम गांजा, तीन मोबाइल फोन और दो स्कूटर जब्त किए गए। यह गांजा दिल्ली-एनसीआर में छोटे तस्करों को सप्लाई किया जाना था। मुख्य गांजा सप्लायर को ओडिशा में गिरफ्तार किया गया। डीसीपी क्राइम ब्रांच पंकज कुमार के अनुसार, गिरफ्तार किए गए तस्कर सोनू, खिचड़ीपुर, अजीत, ज्वालापुरी और रुद्रप्रताप हैं, ये सभी ओडिशा के रहने वाले हैं। रुद्रप्रताप ने पिछले एक साल में दिल्ली में लगभग 5,000 किलोग्राम गांजा सप्लाई किया था। 24 दिसंबर को एक मुखबिर ने क्राइम ब्रांच को सूचना दी कि सोनू और अजीत नाम के तस्कर मंगोलपुरी में गांजे की खेप लेने वाले हैं। इंस्पेक्टर योगेश माथुर और विनोद यादव के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम ने रात 9 बजे मंगोलपुरी में एक स्कूटर पर तीन कार्टन ले जा रहे एक

व्यक्ति को देखा। थोड़ी देर बाद, एक और व्यक्ति दूसरे स्कूटर पर आया और कार्टन शिफ्ट करने लगा। बिना समय गंवाए, पुलिस टीम ने दोनों स्कूटर सवारों को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उनकी पहचान खिचड़ीपुर के रहने वाले सोनू और ज्वालापुरी के रहने वाले अजीत के रूप में हुई। दोनों स्कूटरों की तलाशी लेने पर तीन कार्टन बरामद हुए, जिनमें से प्रत्येक में 15 पैकेट थे। जांच करने पर, FSL टीम को मौके पर बुलाया गया और 47.34 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान, अजीत ने बताया कि गांजा ओडिशा के रहने वाले रुद्रप्रताप ने भेजा था। इसलिए, अजीत को पुलिस रिमांड पर ओडिशा ले जाया गया, क्योंकि बरामद गांजा ओडिशा से एक बड़ी कूरियर सर्विस के जरिए भेजा गया था। ओडिशा में कूरियर कंपनी के मैनेजर ने बताया कि रुद्रप्रताप नाम के एक व्यक्ति ने सात डिब्बों की खेप दिल्ली भेजी थी। इस जानकारी के आधार पर अजीत से और पूछताछ की गई। उसने बताया कि सात डिब्बे दिल्ली में एक कूरियर कंपनी के ऑफिस में पड़े हैं। इसके बाद, अजीत की जानकारी के आधार पर दिल्ली से 118.4 किलोग्राम गांजा और बरामद किया गया, जिससे कुल बरामदगी 165.74 किलोग्राम हो गई। पूछताछ में पता चला कि रुद्रप्रताप गांजे का मुख्य सोर्स था। पुलिस टीम तुरंत ओडिशा गई और लगभग तीन हफ़्ते की कड़ी मेहनत के बाद, टेक्निकल सर्विलांस और मैनुअल सोर्स के आधार पर उसे ओडिशा के पुरी में गिरफ्तार कर लिया। अजीत दिल्ली ड्रग सिंडिकेट का सरगना है, जो गांजे के मुख्य सोर्स रुद्रप्रताप के रेगुलर संपर्क में था। रुद्रप्रताप काजू के डिब्बों में छिपाकर कूरियर सर्विस से गांजे की खेप दिल्ली भेजता था।

अंडर-19 वर्ल्ड कप : भारत की जीत के साथ शुरूआत, अमेरिका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के खिलाफ आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने जीत के साथ शुरूआत की है। बुलावेयो के क्रीस स्पोर्ट्स क्लब में वर्षा प्रभावित मैच में भारत ने अमेरिका को 6 विकेट से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और हेनिल पटेल के पारी में 5 विकेट की बदौलत भारत ने अमेरिका की 107 रन पर ढेर कर दिया। अमेरिका की तरफ से नितीश सुदिनी ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी गेंदबाजी की और एक विकेट झटका। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 53 रन बना लिए हैं।

इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने खराब शुरुआत की क्योंकि वैभव सूर्यवंशी मात्र 2 रन पर बोल्ड हो गए। इसके बाद बारिश आ गई जिस कारण मैच को रोक दिया गया। भारत का औसत शानदार था जिस कारण कुछ देर के बाद जब बारिश रूकी तो ओवर कम करके लक्ष्य 96 का कर दिया गया। कप्तान आयुश महात्रे और वेदांत त्रिवेदी टिकने की कोशिश में थे कि त्रिवेदी (2) आउट हो गए। इसके बाद विहान मल्होत्रा क्रीज पर आए। लेकिन टीम का स्कोर 25 था जब कप्तान महात्रे (19) आउट हो गए। इसके बाद मल्होत्रा और अभिज्ञान कुंडू के बीच 45 रन की साझेदारी हुई। टीम का स्कोर 70 था जब मल्होत्रा (18) आउट हो गए और कुंडू (42) कनिष्क चौहान (10) के साथ जीत दर्ज कर वापस लौटे।

इंडिया ओपन: लक्ष्य ने केंटा को सीधे मैचों में हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के निशिमोटो केंटा को हराया। पेरिस ओलंपिक के सेमी फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन पहले गेम में शुरुआत में थोड़ा घबरा गए और पीछे हो गए लेकिन बाद में उन्होंने लय पकड़ी और आखिर में शानदार जीत हासिल की।

पहले गेम में 14-18 से पीछे होने के बाद लक्ष्य ने वापसी करते हुए पहला गेम 21-19 से जीत लिया। एक बार जब उन्होंने लय पकड़ ली, तो दुनिया के नंबर 13 खिलाड़ी ने दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी होंगे। इससे पहले भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

टी20 विश्वकप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं हेजलवुड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अगले माह होने वाले टी20 विश्कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। हेजलवुड को 7 फरवरी से होने वाले विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने का फैसला फिट होने पर ही लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्वकप में अपना अभियान 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। हेजलवुड टीम के प्रमुख गेंदबाजों में शामिल हैं, ऐसे में टीम को उनके फिट होने का इंतजार है। हेजलवुड ने हाल ही में एशेज सीरीज में काफी अच्छी गेंदबाजी की थी पर अब उन्हें ब्रेक मिला हुआ है। इसी कारण वह बिग बैश लीग (बीबीएल) से भी बाहर हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि आजकल वह अपनी गेंदबाजी, रनिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर काम कर रहे हैं और ट्रैक पर वापस आने को लेकर सकारात्मक हैं। हेज़लवुड ने कहा, सब कुछ प्लान के हिसाब से चल रहा है। पिछले हफ़्ते मैंने हाफ-रन से कुछ गेंदबाजी की। रनिंग अच्छी चल रही है, स्ट्रेंथ की सभी चीजें अच्छी चल रही हैं, तो हां, सब ट्रैक पर है। हेजलवुड का मानना है कि इस सत्र में लगातार फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण उनके लिए अपने शरीर को लय में बनाये रखना एक चुनौती रही है। इस सीजन में लगातार चोटों के बारे में हेजलवुड ने कहा, कभी-कभी, जब एक चीज ठीक होती है, तो दूसरी सामने आ जाती है। मुझे लगता है कि जब आप फिर से अभ्यास शुरू करते हैं, तो कभी-कभी आपके शरीर को रुकना और फिर से शुरू करना पसंद नहीं आता। इसलिए अब वह इन परेशानियों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दे रहे।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

-बीच के ओवरों में नहीं निकाल पाये विकेट

राजकोट(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 7 विकेट से हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया और कहा कि वे बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाये। वहीं न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की शतकीय पारी 131 रनों की सहायता से ये मुकाबला आसानी से जीत लिया। कीवी टीम ने जीत के लिए मिले 285 रनों के लक्ष्य को 47.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। शुभमन ने कहा, 'हम बीच के ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाये। साथ ही कहा कि अगर आप 5 फील्डर अंदर होने के बाद भी बीच के ओवरों में विकेट नहीं निकाल पाते हैं तो काफी कठिन स्थिति हो जाती है। ऐसे में अगर हमने कुछ अधिक रन भी बनाये होते तो भी हम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाते। किसी भी टीम को रोकने के लिए विकेट लेना जरुरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो जीत दर्ज करना संभाव नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमने मेहमान टीम को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। पहले 10 ओवरों में हमारी गेंदबाजी कसी हुई थी पर बाद में हम उसे बरकारार नहीं रख पाये। हम विरोधी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे पर सफल नहीं हुए। इसके अलावा जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई जिसका भी लाभ् मेहमान टीम को मिला। इसका कारण है कि विकेट अच्छी तरह से जम गया था. मुझे लगता है कि हमें बीच के के ओवरों में हमें जोखिम लेते हुए आक्रामक गेंदबाजी करनी चाहिये थी।'इसके अलावा कप्तान ने टीम की कमजोर फील्डिंग को भी हार के लिए जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि हमने कई अवसर खोये अगर ऐसा नहीं होतो तो परिणाम कुछ और होता।

प्रणय और श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में हारे

नई दिलली । भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए।प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ को भी हार का सामना करना पड़ा। बंसोड़ को पांचवीं सीड हान युई ने 21-18, 21-15 से हराया। महिला एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पीवी सिंधु बुधवार को पहले ही दौर में बाहर हो गई थी।

वोलवार्ड्ट को मिला दिसंबर महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

दुबई । दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोलवार्ड्ट को दिसंबर 2025 में किये अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया गया है। वोल्वार्ड्ट ने इस अवार्ड की दौड़ में साथी सुने लुस और भारत की शैफाली वर्मा को भी पीछे छोड़ा। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में वोलवार्ड्ट ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने इसके अलावा एक महीने में सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर साल का समापन किया था। वोलवार्ड्ट ने पहले टी20 में 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और चार छक्के शामिल थे।इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने लगातार दो शतक लगाए जिसमें दूसरे एकदिवसयीय में 111 गेंदों में 124 रन और आखिरी मैच में नाबाद 100 रन थे । वोलवार्ड्ट ने तीनों एकदिवसीय में 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। वहीं टी20 सीरीज में उन्होंने 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं। यह वोलवार्ड्ट का दूसरा प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है, उन्होंने इससे पहले अक्टूबर 2025 में यह अवॉर्ड जीता था। अवार्ड दूसरी बार मिलने पर इस खिलाड़ी ने खुशी जताई है। साथ ही कहा कि अब उनका ध्यान टी20 विश्वकप पर रहेगा।

सिराज रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मुकाबलों में हैदराबाद की कप्तानी करेंगे

मुम्बई । तिलक वर्मा की जगह पर मोहम्मद सिराज को रणजी ट्रॉफी के बचे मुकाबलों के लिए हैदराबाद का कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद की टीम को इस सत्र के अपने बचे हुए दो मैचों में 22 और 29 जनवरी को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई और छत्तीसगढ़ से खेलना है। वहीं शुरुआती सत्र में कप्तान रहे तिलक को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसी कारण उनकी जगह सिराज को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। तिलक हालांकि सजरी के कारण पहले तीन टी20 मैचों से बाहर रहेंगे।सिराज को पहली बार कप्तानी दी गयी है।सिराज मुंबई के खिलाफ बतौर कप्तान अपना डेब्यू मैच खेलेंगे। इससे पहले वह राष्ट्रीय टीम में होने केारण उपलब्ध नहीं थे। चयन समिति ने कहा, हमने सिराज बात की है और वह बाकी सत्र के लिए उपलब्ध हैं। वह एक फाइटर हैं और हमेशा जीतना चाहते हैं, और हमें भरोसा है कि इसका असर दूसरों पर भी पड़ेगा। हाल में विजया हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले अमन राव पेराला को भी टीम में शामिल किया गया है।

हैदराबाद की टीम: मोहम्मद सिराज (कप्तान), जी राहुल सिंह (उप कप्तान), सीवी मिलिंद, तनय त्यागराजन, के रोहित रायुडू, के हिमातेजा, ए वरुण गौड़, एम अभिरथ रेड्डी, राहुल रादेश (विकेटकीपर), अमन राव पेराला, सीटीएल रक्षण रेडी, एन नितिन साई यादव, कनाला नितेश रेड्डी, साई प्रगनय रेड्डी (विकेटकीपर) और बी पुन्नैया।

स्टैंडबाय: मिकिल जयसवाल, ए अवनीश राव (विकेटकीपर), कार्तिकेय काक, प्रणव वर्मा और पी नीतीश रेड्डी।

विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आज होगा पंजाब और सौराष्ट्र का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। पंजाब की टीम शुक्रवार को विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट 2025-26 के सेमीफाइनल में सौराष्ट्र से खेलेगी। मुंबई के खिलाफ मैच में मिली जीत से पंजाब की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। जिससे अब उनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। जैसी मजबूत घरेलू टीम के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में एक रन की रोमांचक जीत के बाद पंजाब का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। वहीं इससे पहले क्वार्टरफाइनल में उसने मध्य प्रदेश को आसानी से हराया था।

इस मैच में कप्तान अभिषेक शर्मा के नहीं होने से प्रभुसिमरन सिंह टीम की कप्तानी करेंगे। क्वार्टरफाइनल में प्रभुसिमरन, अनमोलप्रीत सिंह और नेहाल वढेरा ने अर्धशतक लगाये थे जिससे तय है कि ये खिलाड़ी अच्छी लय में है। ऐसे में टीम को इनसे सेमीफाइनल में भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। इन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सौराष्ट्र के गेंदबाजों के लिए काफी कठिन रहेगा। वहीं गेंदबाजी में भी पंजाब का आक्रमण अच्छा है। उसके पास तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के अलावा तेज गेंदबाज संवीर सिंह भी है। इन दोनो का अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

वहीं सौराष्ट्र की टीम की उम्मीदें सलामी बल्लेबाज हरविक देसाई पर रहेंगी। इस सत्र में उन्होंने तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं और टीम की बल्लेबाजी उनपर आधारित है। उसने पिछले मैच में उत्तर प्रदेश को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके पास तेज गेंदबाज के तौर पर चेतन साकारिया हैं, जिन्होंने लगातार पिछले तीन मैचों में तीन-तीन विकेट लिए हैं। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज चिराग जानी भी अहम भूमिका निभा सकते है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सौराष्ट्र: रुचित आहिर, पार्थ भूट, युवराज चूड़सामा, हरविक देसाई, सम्मर गज्जर, अंश गोसाई, विश्वराज जडेजा, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, चिराग जानी, जय गोहिल, हितेन कंबी, प्रणव करिया, हेत्विक कोटक, प्रेरक मांकड़, अंकुर पंवार, पारस्वराज राणा, चेतन साकारिया, तरंग गोहिल

पंजाब: अभिषेक शर्मा, अनमोलप्रीत सिंह, सलील अरोड़ा, अर्शदीप सिंह, सुखदीप सिंह बाजवा, गौरव चौधरी, गुरनूर ब्रार, हरनूर सिंह, हरप्रीत ब्रार, जशनप्रीत सिंह, कृष्ण भगत, नामन धीर, प्रब्सिमरन सिंह, रमणदीप सिंह, उदय सहारण, संवीर सिंह, रघु शर्मा, शुभमन गिल।

19 साल की कनाडाई खिलाड़ी म्बोको ने मेडिसन कीज को हराया

एडिलेड । 19 साल की कनाडाई खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने गुरुवार को एडिलेड इंटरनेशनल में मैडिसन कीज के टाइटल डिफेंस को 6-4, 4-6, 6-2 से हराकर खत्म कर दिया। यह इस हफ्ते डब्ल्यूटीए 500 इवेंट में खेले गए उतने ही मैचों में उनकी तीसरी तीन-सेट वाली जीत थी। एक सेट और एक ब्रेक से आगे होने के बाद, कीज के खिलाफ म्बोको के लिए चीजें मुश्किल हो गईं जिन्होंने 2022 में एडिलेड से एक ट्रॉफी भी जीती थी। लेकिन मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आखिरी सेट में थक गईं और म्बोको ने आखिरकार 1 घंटे और 53 मिनट में अपने छोटे से करियर की दूसरी टॉप 10 जीत हासिल की। कनाडाई खिलाड़ी ने कीज के आखिरी सेट की शुरुआत में सर्व होल्ड करने के बाद लगातार पांच गेम जीते और जीत हासिल की। उन्हें डिफेंडिंग चैंपियन के उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन का फायदा मिला, जिन्होंने कुल 41 अनफोर्स्ड एरर किए और - नौ ऐस मारने के बावजूद - 12 ब्रेक पॉइंट का सामना किया और छह बार सर्व गंवाई। म्बोको ने बाद में कहा, 'मुझे पता है कि उसने पिछले साल यह टूर्नामेंट जीता था, और बेशक, ऑस्ट्रेलियन ओपन भी, और मुझे इस मैच में आने से पहले पता था कि यह एक बड़ी लड़ाई होगी।' आठवीं सीड अब सेमीफाइनल में पसंदीदा स्थिति में होंगी क्योंकि वह डब्ल्यूटीए टूर पर अपने तीसरे करियर फाइनल की तलाश में हैं जो सभी पिछले अगस्त में मॉन्ट्रियल में अपने घरेलू मैदान पर डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने के बाद से आए हैं। उस टूर्नामेंट के पहले राउंड में, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिरेल को हराया था और यह जोड़ी इस बार फिर खेलेगी, जिसमें बिना सीड वाली बिरेल को अब घरेलू दर्शकों का फायदा मिलेगा। 27 साल की गोल्ड कोस्ट की रहने वाली खिलाड़ी ने अपने करियर में पहली बार डब्ल्यूटीए 500-लेवल के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जिसमें उन्होंने तीन सेट में जीत हासिल की - रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन के खिलाफ 5-7 6-1, 7-5 का एक शानदार मैच जो 3 घंटे और 4 मिनट तक चला।

खिलाड़ियों के विरोध के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल हटाये गये

ढाका (एजेंसी)। खिलाड़ियों के भारी विरोध को देखते हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक एम नजमुल इस्लाम को पद से हटा दिया गया है। नजमुल से खिलाड़ी बेहद नाराज थे और उन्होंने धमकी दी थी कि अगर नजमुल नहीं हटाये गये तो वे हड़ताल कर देंगे। खिलाड़ियों ने नजमुल के बयानों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि उन्होंने हद पार कर दी है। लिया है।

क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश ने नजमुल इस्लाम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो खिलाड़ी सभी प्रारुपों का बहिष्कार करेंगे। खिलाड़ी इसलिए नाराज थे क्योंकि नजमुल ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा था। खिलाड़ियों ने इसे अपना अपमान बताया। इस मामले को सुलझाने के लिए एसोसिएशन और बीसीबी के अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई पर कोई हल नहीं निकला।खिलाड़ियों ने अपने फैसले पर बरकरार रहते हुए तय समय से कई घंटे पहले तक मैदान पर न आने का फैसला किया। इसके चलते बांग्लादेश प्रीमियर लीग का शुरुआती मैच भी शुरु नहीं हो पाया।

नीरज चोपड़ा को मिली मंजूरी, ट्रेनिंग के लिए पोटचेफस्ट्रूम रवाना

नई दिल्ली(एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने अपने चुने हुए स्थल दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में सत्र पूर्व ट्रेनिंग शुरू कर दी है। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (रूष्ट) ने नए कोच जय चौधरी के साथ उनके 32 दिवसीय शिविर को मंजूरी दे दी है। नीरज ने पिछले हफ्ते चेक गणराज्य के दिग्गज जान जेलेजनी से कोच के तौर पर अलग होने का फैसला किया और चौधरी के साथ जुड़ने का फैसला किया जो उनके शुरुआती कोच थे और इस सुपरस्टार के गृहनगर पानीपत में भाला फेंक के खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि

यह 28 वर्षीय खिलाड़ी पांच फरवरी तक पोटचेफस्ट्रूम में रहेगा जो दुनिया भर के भाला फेंक के खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख ट्रेनिंग स्थल है और उनके लिए कुल स्वीकृत सहायता राशि 11 लाख 80 हजार रुपए है। टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल एलीट खिलाड़ियों को वित्तीय और साजो-सामान से जुड़ी सहायता पर फैसला करने वाला एमओसी ने बुधवार को यहां बैठक की थी। ट्रेनिंग शिविर में नीरज की सहयोगी टीम में लंबे समय से उनके फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा भी शामिल हैं।

सूत्र ने कहा, 'इस ट्रेनिंग शिविर का लक्ष्य इस साल होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं जिसमें एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल शामिल हैं, से पहले उनकी शारीरिक अनुकूलनता, ताकत और तकनीकी निरंतरता को बेहतर बनाना है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार वित्तीय सहायता में उनके ट्रेनिंग शिविर का खर्च, जिम और ट्रेनिंग मैदान तक पहुंच, हवाई अड्डे से आना-जाना और जेब खर्च शामिल होगा।'

हरियाणा के इस खिलाड़ी को पिछले साल एडक्टर मांसपेशी में खिंचाव की समस्या थी लेकिन इसके बावजूद वह दोहा डाइमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहे थे। हालांकि उनके लिए एक बड़ी निराशा पिछले साल सितंबर में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना था जिसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस समस्याओं को ठीक करने के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया। वह तोक्यो में गत चैंपियन थे लेकिन पूरे मुकाबले के दौरान साफ तौर पर असहज दिखे। उम्मीद है कि नीरज मई में दोहा डाइमंड लीग में अपने 2026 सत्र की शुरुआत करेंगे। एमओसी की 167वीं बैठक में विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के प्रस्तावों के लिए कुल एक करोड़ 40 लाख रुपये मंजूर किए गए। सूत्र ने बताया, 'इसमें दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सचिन यादव के लिए विशेष भाला फेंक उपकरण का आग्रह भी शामिल है।' यादव पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए नीरज से बेहतर प्रदर्शन किया था। एमओसी की अगली बैठक फरवरी के बीच में होने की उम्मीद है और सूत्रों के अनुसार उस बैक में कोर और डेवलपमेंट समूल के खिलाड़ियों की मौजूदा सूची की कड़ी समीक्षा की जाएगी।

सूत्र ने कहा, 'बुधवार को बैठक ऑनलाइन हुई थी और हालांकि इसी में समीक्षा की जानी थी लेकिन हमने फैसला किया कि खिलाड़ियों की समीक्षा आमने-सामने की बैठक में की जानी चाहिए। इसलिए फरवरी की बैठक महत्वपूर्ण होगी।' कोर समूह के खिलाड़ियों की संख्या अभी 118 है जिसमें 57 सामान्य और 61 पैरा खिलाड़ी शामिल हैं।

अगस्त में बीडब्लयूएफ विश्व चैंपियनशिप में शामिल होंगे एंटोनसन, वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। डेनमार्क के स्टार खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने कहा है कि वह अगस्त में होने वाली बीडब्लयूएफ बैडमिंटन (बीडब्लयूएफ) विश्व चैंपियनशिप में भाग ले सकते हैं। एंटोनसन के अनुसार वह दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शामिल नहीं हुए हैं। एंटोनसन ने गत सप्ताह ही इंडिया ओपन से नाम वापस लेने पर फैसला कर लिया पर तब कारणों का खुलासा नहीं किया था। वहीं अब विश्व के इस दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने सोशल मीडिया में अपने इस फैसले का कारण बताया है। इस खिलाड़ी को एंटोनसन ने कहा, 'उम्मीद है कि जब दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप होगी तो हालात बेहतर होंगे। एंटोनसन ने इंडिया ओपन का ड्रॉ निकाले जाने से पहले ही प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था पर पर फिर भी प्रतियोगिता से हटने के कारण बैडमिंटन की विश्व संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने उन पर पांच हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया था। एंटोनसन पिछली बार 2023 में इंडिया ओपन में खेले थे जहां वह दूसरे दौर में हार गए थे।

हक देखने के बाद आलिया भट्ट बनीं यामी गौतम की फैन

आलिया भट्ट ने हाल ही में फिल्म हक देखी। आलिया को हक बेहद पसंद भी आई। जिसे लेकर आलिया ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यामी के बारे में कुछ खास लिखा है और साथ ही यह भी बताया है कि वह अब उनकी फैन बन गई हैं। नेटफ्लिक्स पर आने के बाद कई बॉलीवुड सितारों ने हक को देखा और अपनी राय दी। आलिया से पहले कियारा आडवाणी ने भी यामी की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, अभी नेटफ्लिक्स पर हक देखी, यामी गौतम, क्या शानदार परफॉर्मेंस थी। आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की बहुत तारीफ की है। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, क्वीन यामी गौतम, हक में आप कला, दिल और सोने की तरह चमक रही हैं। यह मेरे अब तक के सबसे अच्छे महिला किरदारों में से एक है... जैसा मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले सभी कामों का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

किसके बारे में है फिल्म हक?

फिल्म में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया है और इमरान हाशमी ने वकील की भूमिका की है। इसके अलावा वर्तिका सिंह, दानिश हुसैन, शीबा चड्ढा और परिधि शर्मा जैसे कलाकार भी हैं। निर्देशक सुपर्ण वर्मा हैं। फिल्म हक बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली। वहीं अब ओटीटी पर भी फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले से प्रेरित है। दर्शकों और समीक्षकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई।

विवेक ओबेरॉय के साथ सुर्खियों में आईं श्रेया शर्मा

अभिनेत्री श्रेया शर्मा, जिन्होंने हाल ही में मस्ती 4 में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा, अब अपने करियर की एक बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं। श्रेया जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार विवेक ओबेरॉय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इस घोषणा के साथ ही फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, जो श्रेया के अभिनय सफर में एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और लगातार बदलते, चुनौतीपूर्ण किरदारों के चयन के लिए पहचानी जाने वाली श्रेया की मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में कास्टिंग इस बात का संकेत है कि वह अब और अधिक गहराई व परफॉर्मेंस-ड्रिवन प्रोजेक्ट्स की ओर बढ़ रही हैं। यह फिल्म जटिल रिश्तों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव की पड़ताल करने वाली बताई जा रही है, जिसमें श्रेया का किरदार अनुभवी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ एक अहम भूमिका निभाएगा। प्रोजेक्ट को लेकर बात करते हुए श्रेया शर्मा ने इस फिल्म की अपने लिए अहमियत पर एक भावुक और विस्तार से भरा नोट साझा किया। मिस्टर एंड मिसेज ग्रे मेरे पास उस समय आई, जब मैं जानबूझकर ऐसा किरदार तलाश रही थी जो मुझे भावनात्मक और रचनात्मक रूप से चुनौती दे। विवेक ओबेरॉय के साथ काम करना एक अद्भुत सीखने का अनुभव है—वह हर सीन में गहराई और सच्चाई लेकर आते हैं। कहानी तीव्र, वास्तविक और बेहद परतदार है, और मेरा किरदार एक शक्तिशाली भावनात्मक सफर से गुजरता है। मैं निर्माताओं की आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर इतना मजबूत किरदार निभाने का भरोसा किया, और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस फिल्म से गहराई से जुड़ेंगे। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि मिस्टर एंड मिसेज ग्रे श्रेया शर्मा के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है, जो उन्हें एक उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्री के रूप में स्थापित करेगी। मस्ती 4 ने जहां उन्हें लोकप्रियता दिलाई, वहीं यह नई फिल्म उनके अभिनय को ठोस आधार देने वाली है। जैसे-जैसे मिस्टर एंड मिसेज ग्रे को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, सभी की नजरें अब श्रेया शर्मा पर टिकी हैं—एक ऐसी अभिनेत्री जो साफ तौर पर अपने करियर के अगले स्तर में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्यार में धोखे मिलने के बाद रिश्तों को लेकर क्या सोचती हैं रश्मि देसाई?

टीवी सीरियल उतरन में तपस्या ठाकुर बनकर फेमस होने वाली रश्मि देसाई अपने नए चैट शो रश्मि दिल से दिल तक को लेकर छाई हुई हैं। अभिनेत्री का शो टीवी स्टार्स के निजी जीवन के बारे में दर्शकों को गहराई से बताएगा, लेकिन असल जिंदगी में खुद इतने सारे धोखे खाने के बाद प्यार और शादी के बारे में रश्मि की राय काफी अलग है। अभिनेत्री का कहना है कि अगर वो किसी के साथ इमोशनली इंवॉल्व होती हैं, तो अपना सब कुछ दे सकती हैं। एक्टर नंदीश संधू से टूटी शादी और कई लड़कों को डेट करने के बाद भी रश्मि देसाई आज भी सही पार्टनर की तलाश में हैं। अभिनेत्री ने खास बातचीत में प्यार, शादी और रिश्ते पर चर्चा की। कपल के बीच के इमोशंस पर बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा कि मैं बहुत प्रैक्टिकल इंसान हूं और मुझे क्रैक कर पाना बहुत मुश्किल है। अगर मैं किसी के साथ इमोशनल पार्ट पर जुड़ी तो उसे अपना दिल, जायदाद, घर और पैसा सब कुछ दे दूंगी क्योंकि मेरे लिए इंसान मैटर करता है, लेकिन अब इतने धोखे खाने के बाद मैंने किसी को अपनी तरफ आने की इजाजत नहीं दी है, लेकिन कहते हैं कि भगवान कोई न कोई रास्ता दिखा ही देता है। इस शो के दौरान मैंने समझा है कि रिश्ता दो लोगों के बीच का होता है, सबका नहीं होता है। रश्मि देसाई ने कहा कि उन्होंने ये भी सीखा कि काम और पर्सनल लाइफ को हमेशा अलग रखना चाहिए। अब मैंने अपने इमोशन को काम में शिफ्ट कर दिया है और मुझे काम करना बहुत पसंद है और ये मुझे हील करने का काम करता है और मेरा हैप्पी प्लेस है।

आने वाली फिल्म के जरिए संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं श्वेता त्रिपाठी

समाज को आईने की तरह दिखाने वाली फिल्मों की एक अलग ही अहमियत होती है। ऐसी फिल्मों में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज के उन मुद्दों को सामने लाने की हिम्मत होती है, जिन पर आम तौर पर लोग चुप रहते हैं। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म पलकों पे के जरिए इन संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं। श्वेता त्रिपाठी ने शूटिंग के अनुभव को साझा किया और उसे चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग लगातार कई दिनों तक चली। यह लंबा शेड्यूल था। इस थकान भरे सफर ने पूरी टीम को और करीब ला दिया। कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच जो समझ और भरोसा बना, वह फिल्म में दिखाई देगा। शूटिंग के दौरान एक-दूसरे की मदद करना सभी के लिए एक नई ऊर्जा बन गया। पलकों पे को लेकर श्वेता ने कहा, मुझे फिल्म की कहानी ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया। फिल्म उन सवालों का सामना करती है जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है। तलाक, लैंगिक समानता, यौन पहचान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे इस फिल्म में सीधे और ईमानदारी से उठाए गए हैं। ये वे विषय हैं जिन पर लोग आमतौर पर बात करना पसंद नहीं करते। इस फिल्म में बिना झिझक इन मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, फिल्म के निर्देशक निधिश पुझक्कल ने इसे और भी खास बनाया है। उनका अंदाज अलग है। वह हर सीन, हर खामोशी और हर भावना को एक मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखते हैं। ऐसे निर्देशन में काम करना एक अभिनेता का सपना होता है। इससे कलाकार अपने किरदार की गहराई में उतर सकता है और हर सीन में पूरी सच्चाई ला सकता है। उनका यह दृष्टिकोण फिल्म को केवल कहानी नहीं, बल्कि अनुभव बनाता है। श्वेता के अलावा फिल्म में अभिषेक चौहान और ईशान नकवी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

श्वेता ने सह कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, अभिषेक और ईशान दोनों ही बेहद ईमानदार और समर्पित कलाकार हैं। इस समर्पण ने मुश्किल और लंबे दिनों को भी सार्थक बना दिया। सभी ने पूरी मेहनत और दिल से काम किया, जिससे फिल्म का हर सीन प्राकृतिक और प्रामाणिक नजर आता है।

5 करोड़ की एलिमनी पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में टीवी के फेमस कपल में शुमार जय भानुशाली और माही विज ने अपने तलाक की घोषणा की। कपल ने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी कर फैंस को सेपरेट होने की बात बताई थी। ज्वाइंट स्टेटमेंट के बाद भी दोनों के फैसले, तलाक की एलिमनी और बच्चों को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अब माही विज ने इन सभी सवालों के जवाब दिए हैं। एक्ट्रेस ने अपने हालिया यूट्यूब व्लॉग में इन पर बात की है। माही ने अपने इस व्लॉग को 'प्लीज स्टॉप इट' कैप्शन दिया है। वो कहती हैं- 'हां, मैं जय से अलग हो गई हूं। हमारा तलाक हो गया है लेकिन हम अच्छे दोस्त रहेंगे। हम दोनों ऐसे बने हैं कि हमें पीसफुल लोग हैं। हमें ड्रामा, झगड़े या गंदगी पसंद नहीं है। हमने आपसी सहमति से यह फैसला किया और अलग-अलग रास्ता अपनाया। हमारे लिए यही सही था।'

नफरत भरे कमेंट्स पर रिएक्शन देते हुए माही ने कहा- मैं कमेंट सेक्शन में बहुत कुछ पढ़ रही हूं। लोग पूछ रहे हैं कि हमने बच्चे क्यों गोद लिए, हमारे बच्चे क्यों पैदा किया? हमारा बैंक अकाउंट खाली नहीं है। हम अपने बच्चों की देखभाल कर सकते हैं। और ऐसा भी नहीं है कि जय अपनी जिम्मेदारियों से भाग गया हो या मेरे पास कुछ भी न हो। हमारे तीनों बच्चे पहले की तरह ही अपनी जिंदगी जीते रहेंगे। ये बच्चों के लिए अच्छी बात है। वो देखेंगे कि अगर कोई चीज काम नहीं कर रही तो इसका ये मतलब नहीं है कि तोड़ने के समय गंदगी फैलाएं। या कोर्ट-कचहरी में एक-दूसरे को घसीटो। मुझे लगता है कि मेरे बच्चे मुझे पर और जय पर प्राउड फील करेंगे। वहीं, तलाक की घोषणा के बाद दावा किया जा रहा था कि माही ने 5 करोड़ की तलाक एलिमनी मांगी है। इस दावे पर बात करते हुए माही ने कहा- 'मैं इंस्टाग्राम पर देख रही थी कि लोग लाइक और कमेंट के लिए कह रहे हैं कि माही ने 5 करोड़ की एलिमनी ले ली। ये बहुत दुखद है। आधी जानकारी में कुछ भी मत करिए। हमारे पुराने वीडियो निकालकर, कयास लगाए जा रहे हैं। हमने तो कुछ किया नहीं, आप लोगों ने पूरी गंदगी फैला दी। इसकी जरूरत नहीं। माही ने अपने व्लॉग में उनलोगों को भी लताड़ लगाई है, जो उनके फैसले के ड्रामा बता रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा- 'कोई ड्रामा नहीं है। किसी को तलाक लेना अच्छा नहीं लगता है। ऊपर वाला ना करें कि तुमलोगों के घर में ऐसा हो। जिस पर बीतती है, उसे पता है। हमारी इंडस्ट्री में तलाक लेना कोई मजाक नहीं बना है। बाहर भी तलाक हो रहा है। हर जगह तलाक हो रहा है। हमने ने इज्जत के साथ रिश्ते से निकलने का फैसला किया है, छोटे शहरों की लड़कियां बॉयफ्रेंड के लिए मर्डर कर दे रही हैं। आपलोग क्या बात कर रहे हैं?'

शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई

इस साल शादी के रिश्ते में बंधी यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली अपनी फिल्म जुग जुग जियो से लेकर वेब सीरीज मिसमैच्ड और अब सिंगल पापा तक में वुड बी ब्राइड यानी होने वाली दुल्हन के किरदार में दिखीं। ऐसे में, स्क्रीन वाली शादी से लेकर असल जिंदगी में शादी के रिश्ते को लेकर प्राजक्ता से हमने की ये बातचीत

वेब सीरीज मिसमैच्ड की डिंपल के रूप में ऐक्टिंग करियर शुरू करने वाली यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली फिल्म जुग जुग जियो से लेकर हालिया सीरीज सिंगल पापा तक में शादी की तैयारी में जुटी दुल्हन के किरदार में दिखाई दीं। वहीं, इस साल वह असल जिंदगी में भी लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड वृशांक खलान की दुल्हनिया बन गईं। ऐसे में, स्क्रीन पर बार-बार लहंगा पहनने के अनुभव पर प्राजक्ता ने बताया कि वैसे तो उन्हें लहंगे में रेडी होने में बड़ा मजा आता है, लेकिन एक शो की शादी वाले लहंगे से उन्हें इतनी नफरत हो गई थी कि वह उसे जला देना चाहती थीं।

उस लहंगे से नफरत हो गई थी

बकौल प्राजक्ता, मुझे लहंगे से दिक्कत नहीं है। लहंगा पहनकर मजा ही आता है, मगर सिंगल पापा वेब सीरीज हमने जहां शूट की, वहां थोड़ी दिक्कत हुई। यह सीरीज हमने रणथंभौर में मई की गर्मी में 48 डिग्री तापमान में शूट किया। हालांकि, इसमें भी मेरा लहंगा बहुत सुंदर है पर आखिर तक मुझे उससे इतनी नफरत हो गई थी कि मैंने हमारे कॉस्ट्यूम डिजाइनर को बोला था कि क्या पैकअप के बाद मैं इसे जला सकती हूं। मुझे इसे इतनी नफरत है कि मुझे इसे जलाकर इसके इर्द गिर्द नाचना है, वरना बाकी सब मजेदार था।

शादी बहुत खूबसूरत अहसास

वहीं, असल जिंदगी में शादी के बाद क्या खास और अलग महसूस कर रही हैं? इस बारे में वह बताती हैं, शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई। मैं मेरे पार्टनर वृशांक के साथ पिछले 14 साल से हूं तो पहले 13 साल हमने जिस चीज को बिल्ड किया था, अब उसे इंजॉय कर पा रहे हैं क्योंकि इतने सालों में पहली बार हम साथ रहे रहे हैं। मेरे लिए तो शादी के बाद के ये पिछले नौ-दस महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। मेरे लिए शादी एक खूबसूरत अहसास है क्योंकि मुझे ऐसा शख्स मिला जिसके साथ मैं बहुत खुश हूं। हमने साथ में समय लिया, फिर इस साल की शुरुआत में हमने शादी की।

पैरंट्स के साथ न रहना खलता है

वहीं, शादी के बाद के बदलावों पर प्राजक्ता आगे कहती हैं, शादी के बाद अगर किसी बदलाव से मैं जूझ रही हूं तो वो यह है कि मैं अपने मम्मा-पापा के साथ नहीं रहती। मेरे लिए वह सबसे मुश्किल बात थी। बाकी के बदलावों को तो वृशांक ने मेरे लिए बहुत आसान बना दिया लेकिन अपने पैरंट्स से अलग रहना मेरे लिए बहुत मुश्किल रहा है। वहीं, शादी को पुरानी संस्था करार देने के सवाल पर उनका कहना है, यह हर इंसान के निजी अनुभव और सोच पर निर्भर करता है। मुझे नहीं लगता कि कोई यंग लड़का या लड़की यह सोचता/सोचती होगी कि मुझे इसलिए शादी नहीं करनी क्योंकि यह एक पुरानी संस्था हो चुकी है। यह बेशक हो सकता है कि उसने अपने घर पर ऐसा कुछ देखा हो, जिससे वह इस रिश्ते में न पड़ना चाहे या उसे ऐसा कोई मिला नहीं, मगर मुझे लगता है कि इस सोच को जनरलाइज करना सही नहीं है।

मराठी फिल्म करने का सपना हुआ पूरा

नए साल में प्राजक्ता की एक पुराना सपना भी सच होने जा रहा है, जिसे लेकर वह खासी उत्साहित हैं। वह बताती हैं, 12 साल पहले जब मैं कॉलेज में थी, तब मराठी थिएटर करती थी। मैंने महाराष्ट्र और पूरे देश में करीब 150 शोज किए थे। इजरायल में भी हमने शो परफॉर्म किया था, लेकिन रेडियो में काम शुरू करने के बाद मैंने वह बंद कर दिया था। हालांकि, मेरा तब से मन था कि मैं कभी मराठी फिल्म करूं क्योंकि वो मेरी मातृभाषा भी है। इस साल के पहले दिन ही मेरी पहली मराठी फिल्म रिलीज हो रही है, जिसके लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।